

31 साल पहले आया था गोविंदा का 'हार्ट ब्रेकिंग एंथम', कुमार सानू ने गाया था 'अधूरी मोहब्बत' का पैगाम

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 29
न्यूनतम - 18

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 304 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 02 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 8 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

उत्तरकाशी के केदारताल में फंसे 8 लोगों की तलाश जारी

- हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे अब तक नहीं मिला सुराग

देहरादून/उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र के केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन के बाद फंसे सात ट्रेकर्स और एक गाइड की तलाश जारी है। रविवार को हेलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई, लेकिन लापता लोगों या उनके टेंट का



कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम परिस्थितियों के कारण रेस्क्यू अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। अभियान के लिए एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को जरूरी उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। केदारताल क्षेत्र में फंसे आठ लोगों की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे किया गया। हालांकि, इस दौरान लापता ट्रेकर्स या उनके टेंट की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में जगह-जगह हिमस्खलन होने के कारण पैदल रेस्क्यू करना मुश्किल है। ऐसे में हेली रेस्क्यू के जरिए अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि प्रतिकूल मौसम के चलते शनिवार को गंगोत्री लौट आईं एनडीआरएफ और गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र की टीमों को पैदल रेस्क्यू के लिए ट्रेक पर नहीं भेजा गया।

मणिपुर में मैतेई समुदाय की रैली,नगा संगठनों का समर्थन

- सरकार के खिलाफ नारेबाजी कुकी उग्रवादियों के साथ हुआ समझौता रद्द करने की मांग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में शनिवार को मैतेई संगठनों ने रैली निकाली। इसमें स्थानीय लोगों की सुरक्षा और कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौता रद्द करने की मांग की गई। रैली को कई नगा संगठनों का समर्थन मिला। चंदेल और सेनापति जिलों में भी नगा संगठनों ने रैलियां निकाली। मणिपुर में मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। यह



रैली मणिपुर इंटीग्रिटी के कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने आयोजित की थी। नगा संगठनों की शीर्ष संस्था यूनाइटेड नगा काउंसिल ने भी रैली का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'सेव मणिपुर' लिखे पोस्टर और तख्तियां ले रखी थीं। इनमें 'हमें शांति और न्याय चाहिए' और 'उग्रवादियों से समझौता रद्द करो' जैसी मांगें लिखी थीं। कमेटी के संयोजक वाई धीरें ने कहा, हम राज्य के स्थानीय लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा में नाकाम मौजूदा सरकार का इस्तीफा चाहते हैं। एक प्रदर्शनकारी ने कहा,मणिपुर में साढ़े तीन साल के संकट के बाद नगा जनजातियां, मैतेई और मूल निवासी सरकार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं।

दिल्ली में पक्ष और विपक्ष दोनों का 'दंगल'

एक तरफ इंडिया गठबंधन ने की रैली, दूसरी ओर बीजेपी ने निकाला मार्च

मेरी बात सच होगी ज्ञानेश जेल जाएंगे

सीईसी के खिलाफ 19 विपक्षी पार्टियों की रैली



नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को रामलीला मैदान में कहा,मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करवाई है, उन्हें जेल जाना होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे पाताल में भी चले जाएं, उन्हें खोजकर लाएंगे। उन्हें छोड़ेंगे नहीं। अखिलेश यादव ने यूपी का जिक्र कर कहा कि जो लोग कभी यूपी से आए थे, वो यूपी से ही जाएंगे। यूपी वाले स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई भी अच्छी करते हैं। 2027 में विदाई तय है।

राहुल गांधी ने कहा- हमें नफरत नहीं मोहब्बत फैलानी है

राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है। उन्होंने कहा, न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है।

ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं मोदी को जाना ही होगा

दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली हुई। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे।

दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

नड्डा बोले-आज के दिन ही सिखों का नरसंहार हुआ था



नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं।

राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

नितिन नवीन ने कहा- राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे। अरे ये जनता के वोट से बनी सरकार है, इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी को देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है। राहुल गांधी आपकी मंशा क्या है। लोकतंत्र में सबसे बड़ा वोट होता है, जनता का वोट। और जनता ने जब-जब वोट दिया है, आप हारे हैं।

अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को थमाया राष्ट्रपति ध्वज

- बोले-जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया,देशभर में कायम की मिसाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। शाह ने चंडीगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि उसने अपनी जिम्मेदारियां बेहद अच्छे तरीके से निभाई हैं। चंडीगढ़ ने देशभर की पुलिस के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 1966 से चंडीगढ़ पुलिस शहर की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और उसने देश में पुलिस व्यवस्था के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय लिखा है। अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि इन 60 वर्ष में उत्तरी क्षेत्र के केंद्र के रूप में चंडीगढ़ ने पूरे भारत की सुरक्षा में योगदान देने का सफल प्रयास किया है।



चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में 141 नए वाहन शामिल

गृह मंत्री ने कहा कि घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई और प्रभावी रिस्पॉन्स टाइम के मामले में चंडीगढ़ पुलिस आज देश में दूसरे स्थान पर है। आज 141 नए वाहनों के चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में शामिल होने से उसकी कार्यक्षमता और आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन आधुनिक संसाधनों के बल पर चंडीगढ़ पुलिस रिस्पॉन्स टाइम के मामले में देश में प्रथम स्थान हासिल करेगी।

एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन,ओडिशा में बाढ़

बंगाल की खाड़ी में फिर बना नया चक्रवात



कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया। इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो गया है। आज दोपहर से पूरे प्रदेश में मौसम साफ होने लगेगा। एक हफ्ते में दिन के तापमान में 5 से 7 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। रात में पारा 4 से 6 डिग्री तक गिरेगा। संभल में विजिबिलिटी 200 मीटर दर्ज की गई। कोहरे की चादर छाई रही। न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं से ठंडक बढ़ी है।

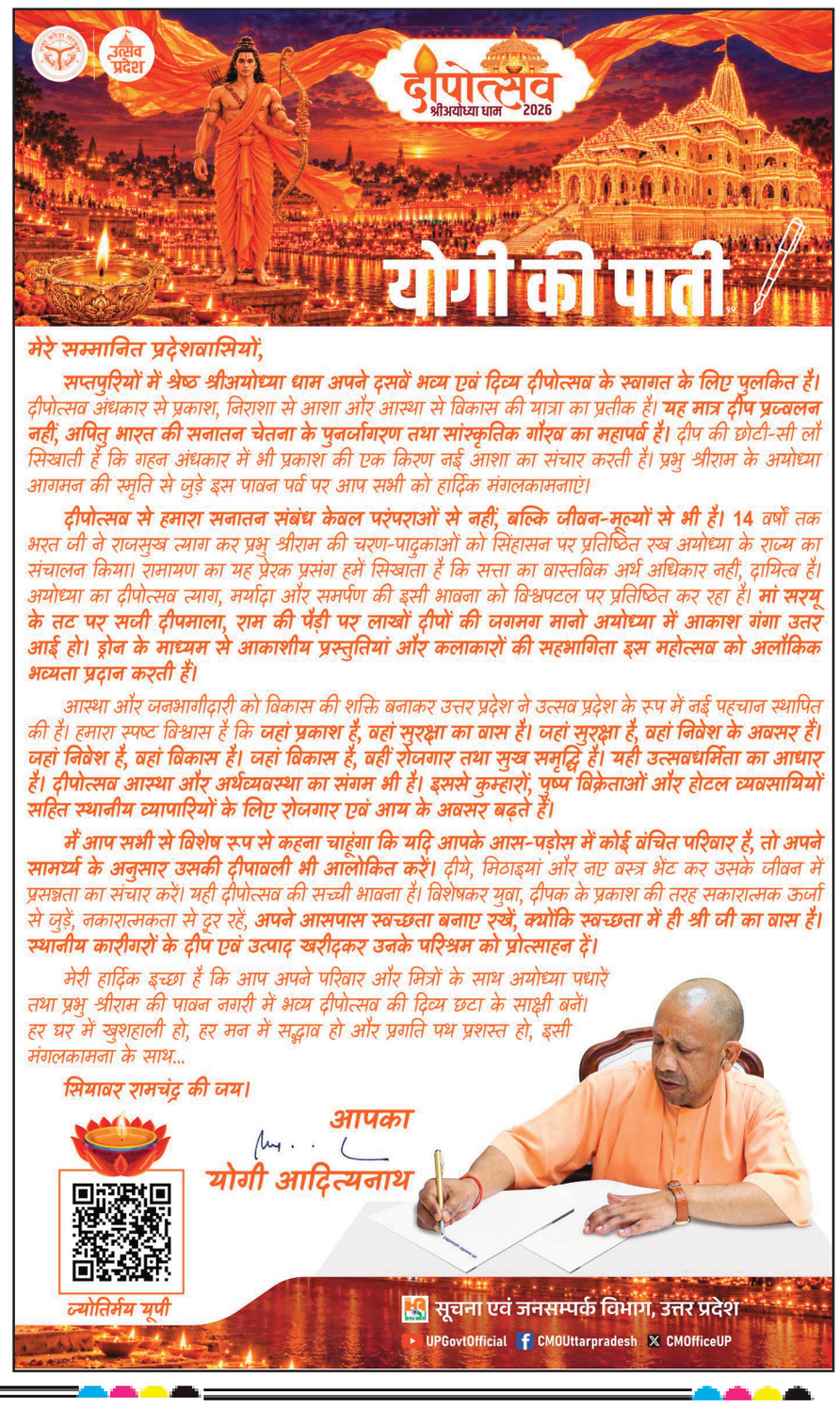
पंजाब में एएपी को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों एएपी एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल





पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। दोनों बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है, क्योंकि उसके पास न तो अपना कोई जनाधार है और न ही उसे पंजाब के हितों की कोई परवाह है। दो विधायकों ने आज पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।



बंजर जमीनों को हरा-भरा बना रहे गोवा के किसान

- खेती की नई शुरुआत,जर्मन विशेषज्ञो की ले रहे मदद
- एग्रो-टूरिज्म,टिकाऊ खेती से ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा

पणजी (एजेंसी)। गोवा के कृषि क्षेत्र में जल्द ही एक नया बदलाव देखने को मिल सकता है। बिचोलिम की किसान उत्पादक संस्था ने अपनी बंजर और खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए जर्मनी की आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती के तरीकों से प्रेरणा लेने का फैसला किया है। इस योजना के तहत कृषि विभाग ने 1200 हेक्टेयर बंजर जमीन पर खेती शुरू करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की तकनीकी मदद से आधुनिक मशीनों से खेती और एग्रो-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। कृषि के अधिकारियों के लिए जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा आयोजित चार दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस



कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जर्मनी में अपनाई जाने वाली आधुनिक कृषि पद्धतियों, मशीनीकरण, ऑर्गेनिक फार्मिंग और टिकाऊ खेती के बुनियादी ढांचे को कृषि अधिकारियों को समझाना था।

परंपरा और टेक्नोलॉजी का मेल

गोवा की इन छूटी हुई और बंजर जमीनों को फिर से आबाद करना परंपरा और आधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन मेल साबित हो सकता है। इस योजना के तहत मसालों के बागानों और एग्रो-टूरिज्म को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है, जिससे खेती के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार और उद्यम को भी बढ़ावा मिलेगा। बिचोलिम के किसान विश्वंभर गवास ने बताया कि इस दिशा में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जर्मन विशेषज्ञों द्वारा दी गई ट्रेनिंग से इस काम को आगे बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप और तकनीकी सुझाव मिल गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने के लिए कृषि विभाग के सहयोग से सरकारी फंड की भी जरूरत होगी।

चौधरी रघुवीर सिंह ने जीवन के 100 वर्ष किए पूर्ण, शताब्दी वर्ष के जन्मदिन पर उमड़ा शुभकामनाओं का सैलाब

सपा सांसद हरेंद्र मलिक, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व सांसद कादिर राणा, डीजी नवनीत सिकेरा सहित राजनीति, प्रशासन, उद्योग और व्यापार जगत की प्रमुख हस्तियों ने दी बधाई; अनिल रॉयल सहित समस्त रॉयल परिवार ने व्यक्त किया आभार

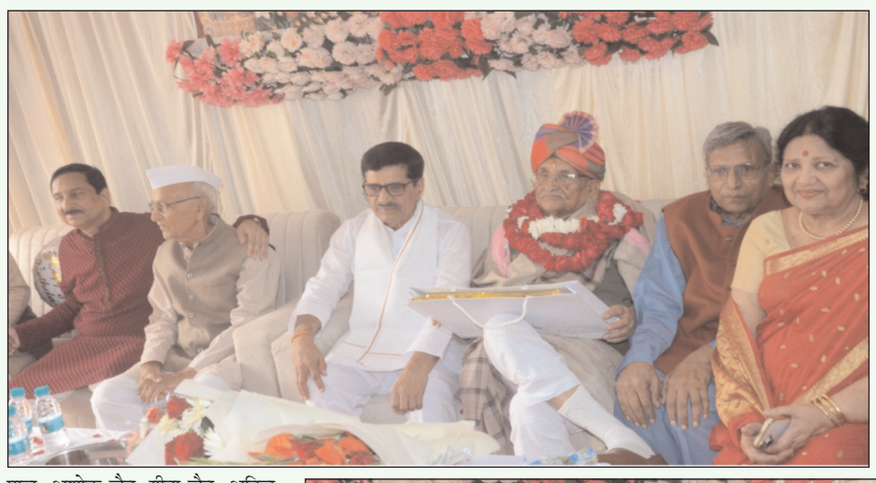
















मुजफ्फरनगर। जीवन के 100 वर्ष पूर्ण करना अपने आप में एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर है। ऐसे विशेष अवसर पर परिवार के मुखिया का स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन कई पीढ़ियों के लिए अनमोल धरोहर बन जाता है। इसी भावनात्मक और यादगार अवसर पर रायल बुलेटिन परिवार के मुखिया आदरणीय चौधरी रघुवीर सिंह जी के जीवन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर उनका जन्मदिन हर्षोल्लास और पारिवारिक आत्मीयता के साथ मनाया गया। ईश्वर की असीम अनुकंपा और गुरुजनों के आशीर्वाद से उनके शतायु होने के इस विशेष अवसर पर परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, मित्रों, शुभचिंतकों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। चौधरी रघुवीर सिंह जी के जीवन के 100 वर्ष पूर्ण होने का अवसर रॉयल परिवार के लिए विशेष महत्व रखता है। परिवार के सदस्यों ने इस दिन को अपने लिए गर्व, खुशी और भावनात्मक जुड़ाव का अवसर बताते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। परिजनों का कहना है कि परिवार के बुजुर्ग केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार की परंपराओं, संस्कारों, अनुभवों और आपसी एकता के आधार होते हैं। उनका स्नेह और आशीर्वाद परिवार की आने वाली पीढ़ियों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

बाबूजी के शतायु होने पर आज सुबह रायल बुलेटिन आफिस में सात विद्वान ब्राह्मणों ने हवन-पूजन किया, जिसमें पंडित बृज बिहारी अत्री, पंडित लालता प्रसाद, पंडित संतोष, पंडित राजेश, पंडित अरविंद शास्त्री, पंडित जमना प्रसाद, पंडित विनीत शर्मा शामिल रहे। राजनीतिक जगत की प्रमुख हस्तियों ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

चौधरी रघुवीर सिंह जी के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियों ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक, भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत, केबिनेट मंत्री अनिल कुमार, उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व सांसद कादिर राणा, पूर्व सांसद अनुराधा चौधरी, पूर्व सांसद सोहनवीर सिंह, रोहल खाप के चौधरी जयभगवान रोहल, रामफल रोहल, कृष्ण फौजी, रामभगत रोहल, चौधरी दलसिंह वर्मा, पूर्व मंत्री सुधीर बालियान, पूर्व विधायक उमेश मलिक, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप और नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व सांसद राजपाल सैनी,

पूर्व मंत्री योगराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी, मुजफ्फरनगर बुलेटिन के संपादक अंकुर दुआ, पूर्व मंत्री राजकुमार यादव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला व सतपाल राणा, अवनीश चौहान, सरिता चौहान, गिरीश अरोरा नंदी, सतेंद्र भैंसी, लवली अरोरा, अशोक काकरान, जयपाल सिंह, गुरशरण मान, विशाल भेंसी,

पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरेंद्र शर्मा, संजीव रायल, राजबीर सिंह टीटू, रामनिवास पाल, भाजपा नेता अंचित मित्तल, शुभम मित्तल, राजेन्द्र साहनी, सत्यप्रकाश रेशू सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। सभी ने उनके शतायु होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं और दलों से जुड़े लोगों की शुभकामनाएं भी इस विशेष आयोजन की चर्चा का हिस्सा बनीं। शुभकामनाएं

पाल, अशोक जैन, गीता जैन, अनिल तायल, अजय स्वरुप बंसल, वरिष्ठ रालोद नेता प्रभात तोमर, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल जिंदल, तेग बहादुर एडवोकेट, विश्व रत्न शारदेन, डाक्टर हेमंत शर्मा, प्रदीप एबीवीपी, डाक्टर शिशर कुमार, वरिष्ठ सपा नेता राकेश शर्मा, पीयूष अग्रवाल, नंदन भारद्वाज, अभिनव

सुशील, अमित कुमार, प्रणव गर्ग, राहुल जैन, तरुण गर्ग, देशपाल सिंह, रमेश सिंह, प्रणपाल सिंह राणा, भानुप्रताप

सहित अन्य गणमान्य लोगों ने उनके जीवन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं व्यक्त कीं। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की ओर से मिली शुभकामनाओं ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। परिजनों और शुभचिंतकों ने चौधरी रघुवीर सिंह जी के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना करते हुए उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।

उद्योग और व्यापार जगत की हस्तियों ने भी जताया सम्मान

जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर

यशिका चौहान, अशोक गर्ग, राजेन्द्र सिंगल, पवन छाबड़ा, विनोद छाबड़ा, जुगल किशोर, भगवान दास भान्ना, पवन अरोरा, सचिन छाबडा, राकेश सिंघल, सरदार गुरप्रीत सिंह बंटू खुराना, संजय सक्सेना, पंडित बृज बिहारी अत्री, पपलू संगल, भूपेन्द्र गोयल, योगेश जैन, अरशद राही, बिनेश पंवार, अनुज मुदगल, खुशी कुरैशी, दिलशाद गनी, पवन अग्रवाल, मौहम्मद शाहनवाज प्रवक्ता, ओपी पाल, कुलदीप त्यागी, राधेश्याम सच कहूं, नीरज प्रजापति,

गिरधर, विशांत राठी, निशांत राठी, विश्वास राठी, पीयूष राठी, नीरज कंकराण, मुकुल चौधरी, जतिन पंवार, बिंदर ओजला, आरव राठी, अजय अहलावत, सौरभ मुन्नू, गौरव कांबोज, वरुण चौधरी, शैलेन्द्र तोमर एडवोकेट, उत्सव भारद्वाज, मोंटी भारद्वाज, मनीष भैंसी, लोकराज कौशिक, विशाल राठी, हिमांशु सहरावत, विनोद कुमार, विनीत शर्मा, अशोक कुमार, विजय वर्मा, विनीत कुमार, कुशलवीर, देवी कृष्ण सिंह, संजीव प्रधान, अजय सहरावत, अभिषेक भारद्वाज, राजीव गुलाटी, राजेन्द्र सिंह, मनोज गुलाटी, रामपाल सिंह, तरुण गिरधर, संजीव प्रधान चांदपुर, निखिल मित्तल, राहुल पंवार सभासद, अतुल जैन, अरविंद शास्त्री सहित अनेक लोगों ने चौधरी रघुवीर सिंह जी को बधाई देते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों की ओर से मिली शुभकामनाओं ने इस अवसर पर उनके प्रति लोगों के सम्मान और आत्मीयता को दशार्या। परिवार के सदस्यों ने सभी शुभचिंतकों के स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

100 वर्षों का जीवन, परिवार के लिए अनुभव और संस्कारों की अमूल्य

वर्ष पूर्ण होने पर पूरा परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

कमलेश सिंह और अनिल रॉयल सहित समस्त रॉयल परिवार ने जताया आभार

इस अवसर पर परिवार की ओर से जारी शुभकामना संदेश में कहा गया कि ईश्वर की असीम अनुकंपा और गुरुजनों के आशीर्वाद से आदरणीय चौधरी रघुवीर सिंह जी ने जीवन के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं। उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन परिवार के सभी सदस्यों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। जन्मदिन के इस यादगार अवसर पर देवेंद्र सिंह, कमलेश सिंह, अशोक रॉयल, सुषमा रायल, प्रदीप रॉयल, पूनम रायल, अनिल रॉयल, प्रतिभा रायल, हरेंद्र सिंह रायल, योगेंद्र सिंह रायल, कर्नल गौरव सिंह, अजय रायल, कृष्णा रायल, विजय रायल, निशांत चौधरी, रोहित रायल सोनू, वैभव रायल, ईशान रायल, अमन रायल, राजबाला , ऊषा सिंह, सुनीता सिंह, कर्ण सिंह, ईशिता रायल, संदीप सिंह, श्वेता सिंह, सीमा सिंह, गरिमा सिंह, सरिता सिंह, एडीजे मनोज कुमार सिद्ध, ज्योति सिंह, नवनीत सिंह, सोनाली सिंह रायल, तृप्ति रायल, सलोनी रायल, सत्यम रायल, नवनीत, ऋचा सिंह, प्रकाश वीर, प्रभाकर, धैर्य, युवान, किया, शनाया, युगार्यन, वेदकांत, समर्थ, आलिया, युवराज, एलिना सहित समस्त रायल

परिवार ने उन्हें हृदय से जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही इस विशेष अवसर पर शुभकामनाएं देने वाले सभी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। परिवार की ओर से चौधरी रघुवीर सिंह जी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और निरंतर मंगलमय जीवन की कामना की गई। उनका 100वां जन्मदिन रॉयल परिवार के लिए खुशियों, सम्मान, पारिवारिक एकता और आत्मीयता से जुड़ा एक यादगार अवसर बन गया।







देने वालों में राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी शामिल रहे।

प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने भी दी बधाई

इस विशेष अवसर पर प्रशासनिक एवं पुलिस महकमे से जुड़ी प्रमुख हस्तियों ने भी चौधरी रघुवीर सिंह जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। डीजी नवनीत सिकेरा, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय तथा शामली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह

उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े प्रतिष्ठित लोगों ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रमुख उद्योगपति भीम सेन कंसल, राकेश बिंदल, कुंजबिहारी अग्रवाल, राजन अग्रवाल, समर्थ प्रकाश, अजय पालीवाल, हरी भूषण, प्रमोद माहेश्वरी, अवध बिहारी लाल एडवोकेट, व्यापारी नेता संजय मित्तल, डाक्टर मुकेश जैन, डॉ. पंकज जैन, एमके बंसल, डाक्टर देवेंद्र मलिक, सीएमओ सुनील तेवतिया, डाक्टर दीपक गोयल, डाक्टर अखिल गोयल, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरुप, पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, श्वेता कौशिक, गौहर सिद्दीकी, गौरव गर्ग सीए,

जुनैद अहमद, इस्तखार अब्बासी, संजय धीमान, नवनीत शर्मा, रामनिवास कटारिया, शिवकांत सिंह, पायल वशिष्ठ, जितेन्द्र सिंह, वेदप्रकाश, विकास कर्णवाल, राजेश रहेजा, आशीष कुमार, रायल एकेडमी की प्रिंसीपल बी. सरिता, अंकित रावत, अश्विनी कटारिया, अवनीश शुक्ला, आकाश गोयल, आदित्य जैन, अर्जुन नरवाल प्रधानजी, अंकित चेयरमैन, रोबिन कादियान, विजित जैन, मुदित जैन, डाक्टर अंकित रोहल, राजकुमार बख्शी, सौरव ठाकुर, विवेक चौधरी, विक्की चांदपुर, विकास वर्मा, निर्भय सिंह, आशू बालियान, सिदक खुराना, तस्सुवर मिस्त्री, अजय बिल्ला, राजन शर्मा, हेमंत शर्मा, शिवम

धरोहर

परिवार के सदस्यों ने कहा कि जीवन के 100 वर्ष पूरे होना केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं, बल्कि अनुभवों, यादों और जीवन की लंबी यात्रा का प्रतीक है। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन नई पीढ़ी को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चौधरी रघुवीर सिंह जी का स्नेह और मार्गदर्शन परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। परिजनों ने उनके प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद परिवार की सबसे बड़ी शक्ति है। परिवार के सभी सदस्य उनके स्नेह और मार्गदर्शन को अपना सौभाग्य मानते हैं। उनके जीवन के 100

अनमोल वचन

कुछ लोग स्वभाव में ईष्यार्लु प्रवृत्ति के होते हैं। दूसरों का कुछ भी अच्छा देखकर वे कुढ़ते रहते हैं। अपने पड़ोसी या निकट के पारिवारिक रिश्तेदार को साधन सम्पन्न देखकर ईर्ष्या से जलते रहते हैं। सोचते हैं कि यह व्यक्ति कितना भाग्यशाली है, भगवान ने उसे गाड़ी दी, रहने को शानदार कोठी दी, नौकर-चाकर सभी कुछ है; धन की कोई कमी नहीं परन्तु अपना तो जीवन ही कठिनाई से कटता है, बड़ा कष्ट है, एक-एक रुपये के लिये दूसरों का मुँह तकना पड़ता है। यह ठीक है आपको मुसीबतों या कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है किन्तु क्या कभी आपने गहराई से विचार किया कि आप निर्धन क्यों हैं? संसार के अस्सी प्रतिशत लोग मेहनत से कमाते रहते हैं, आप ही क्यों परेशान हैं? गौर से देखिये आपके जीवन में अवश्य ही कहीं आलस्य, अकर्मण्यता, निरुद्यमता का चोर छिपा है। उसे भगाइये। इन चीजों ने ही आपको निर्धन बनाया है। भगवान को तो आप नाहक कोसते हैं। याद रखिये भाग्य साहसी और कर्मठ व्यक्ति की ही सहायता करता है। एक विचारक का कहना कितना सटीक है- "हम अपना ऐश्वर्य अपनी बुद्धि और मेहनत से स्वयं बनाते हैं और उसी को अपना भाग्य कहते हैं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

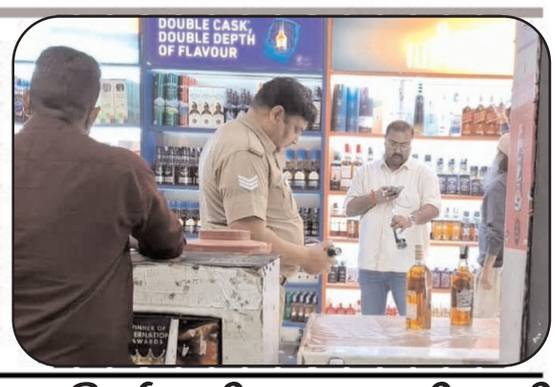
सम्पादकः

◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 02 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



रोकती रही पुलिस, दिल्ली की ओर बढ़ता रहा सपाइयों का काफिला, 45 बसों और दर्जनों गाड़ियों से किया कूच

महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय से सुबह 10:30 बजे रवाना हुए सैकड़ों कार्यकर्ता, चरथावल विधायक पंकज मलिक भी पुलिस की रोक के बावजूद पहुंचे कार्यालय; जिया चौधरी बोले- मुजफ्फरनगर में सपा का कोई साथी नहीं रुकेगा

मुजफ्फरनगर। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया महागठबंधन की रैली में शामिल होने के लिए मुजफ्फरनगर से समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिल्ली कूच किया। रैली में भागीदारी को लेकर शनिवार शाम से ही जिले में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल बनी हुई थी। पुलिस की ओर से सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोकने के प्रयास किए गए। कई नेताओं के आवास पर पुलिस तैनात कर दी गई, लेकिन इसके बावजूद रविवार सुबह सपा नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं का काफिला दिल्ली के लिए रवाना हो गया। करीब 45 बसों और 25 से 30 निजी गाड़ियों के साथ सुबह लगभग 10:30 बजे महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय से कूच शुरू हुआ। चरथावल विधायक पंकज मलिक भी प्रेमपुरी स्थित अपने आवास से निकलकर पार्टी कार्यालय पहुंचे और पुलिस की रोकने की कोशिश के बावजूद दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का कोई साथी मुजफ्फरनगर में नहीं रुकेगा। भारी तादाद में कार्यकर्ता निजी वाहनों, ट्रेन, बसों और कारों से दिल्ली पहुंच रहे हैं।

45 बसों और 25 से 30 निजी गाड़ियों से दिल्ली रवाना हुए सपाई

इंडिया महागठबंधन की रैली में मुजफ्फरनगर से अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समाजवादी पार्टी ने व्यापक तैयारियां की थीं। रविवार सुबह महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय पर नेताओं और कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया। पार्टी की ओर से करीब 45 बसों के साथ 25 से 30 निजी गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद कार्यालय पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं। कार्यकर्ता बसों और निजी वाहनों में सवार होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए। सुबह करीब 10:30 बजे वाहनों का काफिला पार्टी कार्यालय से निकला। पार्टी नेताओं के मुताबिक, बसों के



अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपने निजी साधनों से भी दिल्ली जा रहे हैं। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने दिल्ली रैली में कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर कहा कि समाजवादी पार्टी का कोई साथी मुजफ्फरनगर में नहीं रुकेगा। भारी तादाद में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं। कोई निजी वाहन से, कोई ट्रेन से, कोई बस से तो कोई कारों के जरिए रैली में शामिल होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में रैली को लेकर उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने साधनों से दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं। चरथावल विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंकज मलिक भी दिल्ली रैली में शामिल होने के लिए प्रेमपुरी स्थित अपने आवास से निकले। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुके और महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय पहुंच गए। यहां पहले से मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वह भी दिल्ली जाने वाले काफिले में शामिल हो गए। इसके बाद विधायक पंकज मलिक सपा कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

शनिवार शाम से ही नेताओं के आवास पर तैनात कर दी गई थी पुलिस

दिल्ली रैली में सपा नेताओं और कार्यकताओं की भागीदारी को लेकर पुलिस शनिवार शाम से ही सक्रिय हो गई थी। पार्टी के कई नेताओं को उनके आवास पर रोकने का प्रयास किया गया। कुछ नेताओं के घरों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती भी कर दी गई थी। पुलिस की इस कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद पार्टी नेताओं में नाराजगी फैल गई। सपा नेताओं ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने की कोशिश बताते हुए विरोध जताया। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी समेत पार्टी के कई नेताओं ने एसएसपी सूरज कुमार राय से वार्ता की। नेताओं ने आवासों पर पुलिस तैनात किए जाने पर आपत्ति जताते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि इंडिया महागठबंधन की रैली में शामिल होना पार्टी का राजनीतिक कार्यक्रम है और कार्यकर्ता इसमें भाग लेने के लिए जाना चाहते हैं।

तीन किलोमीटर सड़क निर्माण की गुणवत्ता की खुली पोल, 24 घंटे भी नहीं टिक पाई नई सड़क!

बुढ़ाना के विज्ञाना गांव में सड़क जगह-जगह से उखड़ने पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल; सरकारी धन के इस्तेमाल और विभागीय निगरानी पर उठी उंगलियां

मुजफ्फरनगर। जनपद में सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बुढ़ाना तहसील क्षेत्र के गांव विज्ञाना में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से कराए जा रहे करीब तीन किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण कार्य की स्थिति ने विभागीय कार्यप्रणाली और निर्माण की निगरानी पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि जिस सड़क को लंबे समय तक ग्रामीणों के आवागमन की सुविधा के लिए बनाया जा रहा है, वह निर्माण पूरा होने के महज 24 घंटे के भीतर ही जगह-जगह से टूटने और उखड़ने लगी। नई सड़क की यह हालत देखकर ग्रामीणों में नाराजगी है। एक ग्रामीण ने सड़क की बदहाल स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव विज्ञाना में करीब तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के अगले ही दिन सड़क कई स्थानों से टूटने लगी। कहीं सड़क की ऊपरी परत उखड़ी दिखाई दे रही है तो कहीं इसकी



सतह खराब हो गई है। नई बनी सड़क की ऐसी हालत देखकर ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गई सामग्री और काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण पर सरकारी धन खर्च किया जाता है, ताकि लोगों को लंबे समय तक बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके, लेकिन यदि सड़क निर्माण के 24 घंटे के भीतर ही टूटने लगे तो इसकी गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि निर्माण कार्य के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की। यदि समय रहते निगरानी की गई होती तो शायद निर्माण के तुरंत बाद सड़क की ऐसी स्थिति सामने नहीं आती।

सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग की ओर से कराया जा रहा है। ऐसे में सड़क के इतनी जल्दी खराब होने से निर्माण कार्य में इस्तेमाल सामग्री, निर्धारित मानकों और तकनीकी निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा है कि आखिर निर्माण में ऐसी क्या कमी रह गई कि नई सड़क एक दिन भी अपनी स्थिति बरकरार नहीं रख सकी। हालांकि, सड़क टूटने के पीछे वास्तविक कारण क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। इसके लिए निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, सड़क की मोटाई, निर्धारित तकनीकी मानकों और निर्माण प्रक्रिया की जांच जरूरी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क की खराब स्थिति के लिए निर्माण में लापरवाही जिम्मेदार है या कोई अन्य तकनीकी कारण है। ग्रामीण ने सड़क की बदहाल स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद सड़क निर्माण की गुणवत्ता का मामला प्रशासन के संज्ञान में आया।

रात के अंधेरे में शराब की दुकानों पर आबकारी विभाग का पहरा, देर रात तक चल रही सघन चेकिंग

अवैध शराब की बिक्री और ओवरटाइम संचालन पर लगाम लगाने के लिए विभाग की टीमें सक्रिय, खुलने-बंद होने के समय से लेकर बिक्री के नियमों तक की हो रही जांच; अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने, आबकारी राजस्व की सुरक्षा करने और शराब की दुकानों पर शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए आबकारी विभाग ने रात्रिकालीन चेकिंग अभियान तेज कर रखा है। विभाग की टीमें देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में संचालित शराब की दुकानों पर पहुंचकर निरीक्षण कर रही हैं। अचानक होने वाली इस चेकिंग के दौरान दुकानों के संचालन से लेकर शराब की बिक्री तक की व्यवस्थाओं पर विशेष नजर रखी जा रही है। आबकारी विभाग की सक्रियता के चलते शराब कारोबारियों में भी नियमों के पालन को लेकर सतर्कता बढ़ी है।

देर रात तक दुकानों पर पहुंच रही आबकारी विभाग की टीमें

आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमें रात्रि के समय अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर शराब की दुकानों का निरीक्षण कर रही हैं। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि दुकानें निर्धारित समय के अनुसार ही खोली और बंद की जा रही हैं। दुकानों पर निर्धारित समय के बाद शराब की बिक्री तो नहीं की जा रही, इसकी भी जांच की जा रही है। विभागीय टीमें दुकानों की व्यवस्थाओं को परखने के साथ संचालकों को नियमों के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। रात्रिकालीन चेकिंग अभियान में आबकारी विभाग का विशेष जोर दुकानों के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय का पालन कराने पर है। अधिकारियों द्वारा दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए जा रहे हैं कि शासन की ओर से तय समय सीमा



का उल्लंघन किसी भी स्थिति में न किया जाए। निर्धारित समय के बाद दुकान खोलने या शराब की बिक्री करने जैसी अनियमितताओं को गंभीरता से लिया जाएगा। इसके साथ ही बिक्री से संबंधित अन्य जरूरी नियमों का पालन भी सुनिश्चित कराया जा रहा है।

अवैध शराब की बिक्री और अनियमितताओं पर कार्रवाई की तैयारी

आबकारी विभाग की टीमों द्वारा निरीक्षण के दौरान यह भी ध्यान दिया जा रहा है कि कहीं अवैध शराब की बिक्री तो नहीं हो रही है। दुकानों पर नियमों के विपरीत शराब की बिक्री, निर्धारित व्यवस्थाओं में गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं को लेकर निगरानी की जा रही है। विभागीय अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। किसी भी कारोबारी को नियमों से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी। आबकारी विभाग के इस अभियान का उद्देश्य केवल दुकानों के समय की जांच करना ही नहीं, बल्कि शराब कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखना और शासन को मिलने वाले राजस्व की सुरक्षा करना भी है। निर्धारित नियमों के अनुसार शराब की बिक्री होने से अवैध कारोबार पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा दुकानों की नियमित जांच के साथ रात्रिकालीन निरीक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। आबकारी विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि जनपद में रात्रिकालीन चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दस हजार से अधिक लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ, मेगा विधिक सेवा शिविर में बांटे गए स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुमोदन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर की ओर से वृहद विधिक सहायता एवं सेवा मेगा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सुजडू चुंगी, मेरठ रोड स्थित सभागार में आयोजित शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष राजीव कमल पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के साथ ही उन्हें उनके संवैधानिक और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में दस हजार से अधिक लाभार्थियों को प्री-कैंप एवं मुख्य शिविर के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। मेगा शिविर में समाज के उन वर्गों को प्राथमिकता दी गई, जिन्हें सरकारी



योजनाओं और विधिक सहायता की आवश्यकता है। इसमें बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, निर्धन वर्ग के लोगों और श्रमिकों सहित अन्य पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया गया। अलग-अलग विभागों की ओर से लगाए गए शिविरों में पात्र लोगों को योजनाओं के तहत स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र, चेक, आवश्यक सामग्री और सहायक उपकरण वितरित किए गए। दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल प्रदान कर उन्हें आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने की पहल की गई। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने आमजन को संविधान में प्रदत्त अधिकारों तथा विधिक सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना है।

आर्थिक रूप से कमजोर, वंचित और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों से इनका लाभ उठाने की अपील की।

ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5.550 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

खादरवाला और कस्सावान के रहने वाले हैं दोनों आरोपी, बरामद गांजे की कीमत करीब 2.75 लाख रुपये; एक आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास भी आया सामने

मुजफ्फरनगर। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सवेरा के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 5 किलो 550 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों में एक युवक का पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने का इतिहास सामने आया है।



चेकिंग के दौरान काली नदी पुल के पास दबोचे गए दोनों आरोपी

पुलिस के अनुसार, सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक के निर्देश पर तीनों जनपदों में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार, प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ऑपरेशन सवेरा चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन और सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण तथा कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने 31 अक्टूबर को चेकिंग के दौरान चरथावल-न्याजुपुरा मार्ग पर काली नदी पुल के पास न्याजुपुरा की ओर से आ रहे दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 5 किलो 550 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

खादरवाला और कस्सावान के रहने वाले हैं आरोपी

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अब्दुल मन्नान पुत्र सरफराज निवासी खादरवाला, थाना खालापार तथा जावेद उर्फ अल्लू पुत्र इकराम कस्सावान, थाना खालापार के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 487/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल जावेद उर्फ अल्लू का आपराधिक इतिहास भी पुलिस जांच में सामने आया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पूर्व में भी अलग-अलग थानों में आबकारी अधिनियम और आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं।

अपराध की दुनिया में दोबारा कदम रखा तो पुलिस की रहेगी पैनी नजर, मुजफ्फरनगर में ऑपरेशन चक्रवात से पुराने अपराधियों पर शिकंजा

ग्रामीण क्षेत्र के थानों में पुराने अपराधियों को बुलाकर कराया सत्यापन, भरवाए गए डोजियर; अपराध से दूर रहकर जिम्मेदार नागरिक बनने की दिलाई शपथ, गतिविधियों पर रखी जाएगी लगातार निगरानी

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने पुराने अपराधियों की निगरानी का अभियान तेज कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन चक्रवात' के तहत पुलिस ने पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे व्यक्तियों को थानों पर बुलाकर उनका सत्यापन कराया। इस दौरान उनके वर्तमान निवास, गतिविधियों और अन्य जरूरी जानकारियां जुटाने के साथ ही डोजियर भरवाए गए। पुलिस ने सभी को भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होने की सख्त हिदायत दी। साथ ही उन्हें कानून का पालन करने और एक अच्छे एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने की शपथ भी दिलाई गई। पुलिस के



अनुसार, 'ऑपरेशन चक्रवात' का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखना है, जो पूर्व में आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। अभियान के तहत जनपद के सभी थानों में पुराने अपराधियों को बुलाकर उनका वर्तमान सत्यापन किया जा रहा है। पुलिसकर्मी उनसे उनके मौजूदा निवास, कामकाज, संपर्क और वर्तमान गतिविधियों से जुड़ी आवश्यक जानकारियां एकत्र कर रहे हैं। इसके साथ ही संबंधित व्यक्तियों के डोजियर तैयार कर उनका व्यवस्थित डाटाबेस बनाया जा रहा है। इस डाटाबेस के माध्यम से पुलिस को पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर समय रहते कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने सत्यापन के लिए बुलाए गए व्यक्तियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल न हों। उन्हें कानून का पालन करने, समाज में शांति बनाए रखने और जिम्मेदार नागरिक की तरह जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति दोबारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का प्रयास है कि पुराने अपराधियों को लगातार निगरानी में रखते हुए अपराध की पुनरावृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन तथा एसपी सिटी अमृत जैन और एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के नेतृत्व में जनपदभर में यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

यातायात माह का आगाजः ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को पुलिस ने पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

मुजफ्फरनगर। जनपद में नवंबर माह को विशेष यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। यातायात माह के शुभारंभ पर यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों को एकत्रित कर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने चालकों को निर्धारित मार्गों पर ही वाहन चलाने, आवश्यक दस्तावेज पूरे रखने और यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न नहीं करने की हिदायत दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात सुभाष चंद एवं प्रभारी यातायात राकेश कुमार के नेतृत्व में यह अभियान संचालित किया गया। यातायात माह के पहले दिन जनपद मुख्यालय के सभी प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यातायात पुलिस की टीमों ने ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।



जागरूकता अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ई-रिक्शा चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने वाहन निर्धारित किए गए ई-रिक्शा रूट पर ही संचालित करें। निर्धारित मार्गों से हटकर वाहन चलाने से शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे में सभी चालक रूट व्यवस्था का पालन करें और यातायात संचालन में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस ने ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को वाहनों के जरूरी दस्तावेज पूरे रखने की हिदायत दी। अधिकारियों ने कहा कि बिना वैध फिटनेस, बीमा और ड्राइविंग लाइसेंस के किसी भी वाहन का संचालन नहीं किया जाना चाहिए। वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझें और सड़क पर उतरने से पहले सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी रखें। अभियान के दौरान नाबालिगों द्वारा ई-रिक्शा चलाने पर भी विशेष रूप से चेताया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ई-रिक्शा और ऑटो का संचालन नाबालिगों से न कराया जाए। वाहन चलाने के लिए निर्धारित आयु और वैध ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता का पालन किया जाए। नियमों की अनदेखी से न केवल चालक बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। यातायात पुलिस ने चालकों को यह भी समझाया कि वे चौराहों और तिराहों पर ई-रिक्शा या ऑटो खड़ा करके सवारियां न बैठाएं।

13 साल से अदालत के वारंट पर फरार हिस्ट्रीशीटर मुकीम उर्फ भूरा पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल, गिरफ्तार

रथेड़ी कट पर चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागा गौकशी का आरोपी, बाइक छोड़ ईख के खेत में घुसकर पुलिस टीम पर की फायरिंग; जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

मुजफ्फरनगर। जनपद में फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नई मंडी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गौकशी के मामलों में संलिप्त हिस्ट्रीशीटर और पिछले करीब 13 वर्षों से न्यायालय के वारंट में फरार चल रहे मुकीम उर्फ भूरा को गोली लगने से घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है।

रथेड़ी कट पर पुलिस कर रही थी वाहनों की चेकिंग, मुखबिर की सूचना पर बढ़ाई सतर्कता

प्रभारी निरीक्षक आनन्द देव मिश्र के अनुसार रात थाना नई मंडी पुलिस की टीम रथेड़ी कट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गौकशी की घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से एक आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने चेकिंग और सघन कर दी। कुछ देर बाद नसीरपुर की ओर से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने रुकने के बजाय मोटरसाइकिल वापस मोड़कर तेजी से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने उसका पीछा शुरू कर दिया।

बाइक अनियंत्रित होकर गिरी तो ईख के खेत में घुसकर पुलिस पर चलाई गोली

पुलिस के मुताबिक, पीछा करने के दौरान कुछ दूरी पर एक तीव्र मोड़ पर आरोपी की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद आरोपी बाइक को मौके पर छोड़कर ईख के खेत में घुस गया। आरोप है कि खेत में घुसते ही उसने पुलिस टीम को निशाना बनाकर



जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। बदमाश की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम ने आरोपी को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने चेतावनी को अनसुना करते हुए गोली चलाना जारी रखा। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने मौके पर ही उसे दबोच लिया। उसकी पहचान मुकीम उर्फ भूरा पुत्र शकील निवासी ग्राम निराना, थाना सिखेड़ा के रूप में हुई।

2013 से न्यायालय के वारंट में चल रहा था फरार, सिखेड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुकीम उर्फ भूरा का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। वह वर्ष 2013 से न्यायालय द्वारा जारी वारंट में फरार चल रहा था। लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे आरोपी पर थाना सिखेड़ा में हिस्ट्रीशीट भी खुली हुई है। उसका हिस्ट्रीशीट नंबर 16ए है। आरोपी के खिलाफ गौकशी, पशु क्रूरता, चोरी, मारपीट, बलवा, धोखाधड़ी, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार रखने और गैंगस्टर एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सात मुकदमों में दर्ज है नाम, गौकशी से लेकर गैंगस्टर तक के मामले

पुलिस द्वारा जारी आपराधिक विवरण के अनुसार मुकीम उर्फ भूरा के खिलाफ थाना सिखेड़ा में अब तक सात मुकदमों का उल्लेख किया गया है। इनमें वर्ष 2013 में गौवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमा संख्या 126/2013 शामिल है। वर्ष 2014 में चोरी और बरामदगी के संबंध में मुकदमा संख्या 002/2014 तथा मारपीट, बलवा और नुकसान पहुंचाने के आरोप में मुकदमा संख्या 158ए/2014 दर्ज हुआ था।

संपादकीय

विधान परिषद चुनावों से मिले नतीजों से आगामी विधान सभा चुनावों के नतीजों का अनुमान बेमानी

चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक व महाराष्ट्र की विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनावों से मिले नतीजों से यह सन्देश जा रहा है कि जिस राज्य में जिस भी पार्टी या गठबन्धन की सरकार है, लोगों में उसके प्रति अनमनापन है, विशेषकर पढ़े-लिखे समाज में। इन चुनाव में केवल स्नातक शिक्षा पास करने वाले सामान्य मतदाता व शिक्षक ही मतदान करते हैं तो उनके रुख से यह नतीजा आसानी से निकाला जा सकता है कि लोग अपने-अपने राज्यों में किये जा रहे विविध विकास कार्यों से सन्तुष्ट नहीं हैं।इसके साथ राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर भी उत्तेजना का भाव देखा जा सकता है। चारों राज्यों में से सर्वाधिक 11 सीटों पर उत्तर प्रदेश में चुनाव हुए थे। इस राज्य में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार पिछले दस साल से सत्ता पर काबिज है अतः चुनाव परिणाम चौंकाने वाले बिल्कुल नहीं कहे जा सकते क्योंकि छह सीटें भाजपा ने जीती हैं और पांच सीटों पर श्री अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने विजय प्राप्त की है। यदि राजनीतिक स्तर पर सत्तारूढ़ एनडीए व विपक्षी इंडिया गठबन्धन के स्तर पर देखा जाये तो 15 सीटें एनडीए के खाते में और 13 सीटें इंडिया गठबन्धन के खाते में गई हैं।राज्यवार हिसाब किया जाये तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को छह व समाजवादी पार्टी को पांच सीटें मिली हैं। महाराष्ट्र की पांच सीटों में से स्तारूढ़ महायुती (एनडीए) को दो व विपक्षी महाविकास अघाड़ी (इंडिया) को तीन सीटें मिली हैं। कर्नाटक में चारों सीटें एनडीए ने जीत ली हैं मगर बिहार की आठ सीटों में एनडीए को चार व चार ही निर्दलीयों समेत विपक्षी दलों को गई हैं लेकिन कर्नाटक एक मात्र ऐसा राज्य है जहां कि चार में से चार सीटें विपक्षी गठबन्धन एनडीए के खाते में गई हैं। इस राज्य में कांग्रेस की डी.के. शिवकुमार सरकार है।हालांकि कांग्रेस के चारों सीटें हार जाने से उसकी सरकार के स्थायित्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा मगर राज्य विधान परिषद में उसकी स्थिति जरूर कमजोर होगी क्योंकि 75 सदस्यीय विधान परिषद में कांग्रेस के कुल 38 सदस्य हैं जो कि बहुमत का मुहाना है। किसी भी सरकार की नैतिक विजय के लिए राज्य के दोनों सदनों में अच्छा बहुमत बहुत मायने रखता है।

अतः कर्नाटक में भाजपा ने चार में से तीन सीटें जीतकर व एक उसके सहयोगी जनता दल (एस) ने अपने पास रखकर साफ सन्देश दे दिया है कि डी.के. शिवकुमार की राह आसान नहीं है।चुनावों से यह नतीजा भी निकलता है कि अधिसंख्य शिक्षक सीटों पर भाजपा की विजय रही जबकि विपक्षी दलों का जोर स्नातक सीटों पर ज्यादा रहा। इसके अपने राजनीतिक अर्थ भी हो सकते हैं जिनका विश्लेषण राजनीतिक पंडित करते रहेंगे मगर इतना निश्चित है कि इन चुनाव परिणामों से किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता क्योंकि हर चुनाव के मुद्दे अलग-अलग होते हैं।

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव



मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारे किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाना और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किये जा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध भी बने। किसान की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि का वास्तविक आधार है।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाएं और खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेंगी।हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश का युवा नौकरी पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी और समाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्तित्व भी बने।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा मानना है कि जब महिला आत्मनिर्भर बनती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। इसलिए महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना हमारा संकल्प है।

आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश के युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं।मध्यप्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो।

शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। विकास के लिए शांति और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध है।पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण, तकनीक का उपयोग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताएं हैं। महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा उद्देश्य ऐसा मध्यप्रदेश बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक भयमुक्त वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके और निवेशकों तथा उद्यमियों को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो।

सुशासन का वास्तविक अर्थ है नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान इसी भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।हमारी कोशिश है कि सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं को कम किया जाए और नागरिकों को अधिक सुविधा मिले। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना है।जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा संकल्प है कि प्रशासन अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और जनकेंद्रित बने।

पशुपालन मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार, टीकाकरण, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और गोवंश संरक्षण को प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।हमारा विश्वास है कि पशु कल्याण और पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की जा सकती है।

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।सरकारी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सा शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता भी हमारी प्राथमिकताओं में हैं। हम ऐसा स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना चाहते हैं, जहां किसी भी नागरिक को बेहतर उपचार के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश का निर्माण करना है। आइए, मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर एक ऐसे प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिले और हमारी आने वाली पीढ़ियां एक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पर गर्व कर सकें।

नशा, संवेदना और बचपन : नौजवानों को निगलता नशे का जहर

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद ने कहा था हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो चरित्र का निर्माण करे, मन का बल बढ़ाए और मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा कर दे, नशा शिक्षा, चरित्र और आत्मबल तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना और बचपन की मासूमियत है। संवेदना मनुष्य को मनुष्य बनाती है और बचपन उसके व्यक्तित्व की नींव रखता है। किंतु आज नशीले पदार्थों का बढ़ता जाल इन दोनों पर सबसे कड़ा प्रहार कर रहा है। नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि विवेक, करुणा, परिवार, शिक्षा, संस्कृति और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। जिस आयु में बच्चों के हाथों में पुस्तकें और सपने होने चाहिए, वहाँ यदि नशे का जहर पहुँच जाए तो आने वाला पूरा जीवन अंधकारमय हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ड्रग्स, सिंथेटिक नशे, हेरोइन, चरस, गांजा, अफीम तथा नशीली गोलियों का प्रसार चिंताजनक रूप से बढ़ा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। 2019 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 16 करोड़ लोग शराब, 3 करोड़ से अधिक लोग भांग या गांजा तथा लगभग 2.3 करोड़ लोग ओपिओइड (अफीम, हेरोइन आदि) का सेवन करते पाए गए। इनमें बड़ी संख्या 10 से 17 वर्ष और 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में पंजाब, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा गोवा प्रमुख हैं। पंजाब में हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स का गंभीर संकट लंबे समय से चिंता का विषय है। पूर्वोत्तर के राज्यों में सीमा पार से होने वाली तस्करी ने युवाओं को प्रभावित किया है। राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी मादक पदार्थों की तस्करी लगातार बढ़ी है। महानगरों में नशीली गोलियां, कोकीन और पार्टी ड्रग्स तेजी से फैल रहे हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि नशे की शुरुआत अब किशोरावस्था में ही होने लगी है। विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों, पारिवारिक विघटन, बेरोजगारी, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, गलत संगति तथा मानसिक तनाव के कारण अनेक बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। परिणामस्वरूप पढ़ाई छूट जाती है, अपराध बढ़ते हैं, हिंसा और आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित होती है तथा परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूटने लगते हैं। नशा सबसे पहले मनुष्य की संवेदना को समाप्त करता है। जो व्यक्ति कभी माता-पिता के प्रति श्रद्धावान था, वही नशे की लत में उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगता है। परिवार की जमा पूंजी नशे में समाप्त हो जाती है। अनेक युवा चोरी, लूट और अन्य अपराधों की ओर बढ़ जाते हैं। धीरे-धीरे रिश्तों की गर्माहट समाप्त होने लगती है और मनुष्य केवल नशे का दास बनकर रह जाता है।

महात्मा गांधी ने कहा था शराब और नशा मनुष्य की आत्मा का पतन कर देते हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर का संदेश था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। यह संदेश नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए भी उतना ही आवश्यक है। नशे के विरुद्ध केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, विद्यालय, समाज, धार्मिक संस्थाएँ, मीडिया तथा शासन सभी को मिलकर कार्य करना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, खेल, साहित्य, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना, विद्यालयों में नशामुक्ति शिक्षा को अनिवार्य बनाना तथा नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था करना समय की आवश्यकता है। सीमाओं पर तस्करी रोकने के साथ-साथ ऑनलाइन अवैध नेटवर्क पर भी कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

यदि किसी राष्ट्र का बचपन सुरक्षित है तो उसका भविष्य भी सुरक्षित है। लेकिन यदि बचपन नशे की गिरफ्त में चला गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल आर्थिक ही नहीं, नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर हो जाएँगी। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है।

वर्ष 2025-26 तक उपलब्ध सरकारी आँकड़े बताते हैं कि भारत में नशीले पदार्थों की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल संरक्षण का गंभीर संकट बन चुकी है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का विश्वास था– यदि देश को विकसित बनाना है तो युवाओं को सही दिशा देनी होगी। इसलिए नशामुक्त बचपन केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला है। आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय, समाज, मीडिया और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की है।

अपनी सुविधा के लिए बच्चों से जासूसी न करवाएं

बच्चा झूठ बोलना घर से ही सीखता है। माता-पिता यदि बच्चे को कहीं नहीं ले जाना चाहते और घर छोड़कर जाना चाहते हैं तो कह देते हैं डाक्टर के पास जा रहे हैं या आफिस जा रहे हैं। बच्चा उनकी यह बात सच मान लेता है और वह चुप हो जाता है और उस समय उनके साथ जाने की जिद नहीं करता। इसके अतिरिक्त जब कोई अवांछित मित्र या सम्बन्धी घर मिलने आता है या उसका फोन आता है तो घर के सदस्य कहला देते हैं कि वे घर पर नहीं हैं। यहीं से बच्चे के झूठ बोलने की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है।

चन्द्र प्रभा सूद



छोटे बच्चों को भगवान का रूप कहा जाता है। उन बच्चों की सहजता, सरलता और भोलेपन का दुरूपयोग घर के बड़ों को किसी भी कारण से नहीं करना चाहिए। उनके बचपन को अपने स्वार्थ के लिए किसी सौदे में नहीं बदलना चाहिए। मेरे कथन पर टिप्पणी करते हुए आप लोग कह सकते हैं कि कोई भी अपने बच्चों का नाजायज उपयोग कैसे कर सकता है?

इस विषय में मेरा यही मानना है कि हम बड़े अपनी सुविधा के लिए अनजाने में ही बच्चों को गलत आदतें सिखाते हैं। घर में विद्यमान छोटे बच्चों से जासूसी जैसा घृणित कार्य बहुत से लोग करवाते हैं। वे लोग शायद यह समझते नहीं हैं या समझना नहीं चाहते कि वे कितना अनर्थ कर रहे हैं। इस विषय पर गहराई से विचार करना चाहिए।

सास-बहू ने एक-दूसरे की बुराई करते हुए क्या कहा? पति-पत्नी में से किसी एक ने दूसरे साथी के विषय में क्या कहा? ननद-भाभी में से किसने और क्या चुगली की? भाई-बहन में से किसने किसे भला-बुरा कहा? इनके अतिरिक्त और भी कई विषय हो सकते हैं जिनके लिए वे लोग जानना चाहते हैं। यह कोई बुरी बात नहीं है। परन्तु यह जानकारी जुटाने के लिए छोटे बच्चों को मोहरा बनना बिल्कुल अनुचित है।

छोटे बच्चे को विश्वास में लेकर या उसे किसी खिलौने, चाकलेट, पैसे आदि की रिश्वत देकर अथवा अनावश्यक प्यार जताकर बच्चे से कुरेद-कुरेदकर अपने मतलब की बात जानने की कोशिश लोग करते हैं। इस तरह बच्चे के मन में ताक-झाँक करके या छिपकर दूसरों की बातें सुनने की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है।

इसी प्रकार लालच या दबाव या प्यार के ब्लैकमेल के कारण बच्चा चुगली करना सीख जाता है। इसके विपरीत उसी कारण से दूसरों की बातें छिपाने लगता है। फिर धीरे-धीरे अपने स्कूल की, अपने घर की या दोस्तों से झगड़े की अपनी गलतियाँ सबसे छिपाने में महारत हासिल कर लेता है। बहुत दुखी की बात है कि इस तरह बड़ों की महत्वाकांक्षा के कारण धीरे-धीरे बच्चा झूठ बोलने में एक्सपर्ट होने लगता है।

बच्चों को चोरी करना, दूसरे का हक छीनना भी हमीं सिखाते हैं। घर में माँ या दादी या नानी या कोई और सदस्य सबसे छिपाकर उसे खाने की या अन्य कोई चीज यह कहकर दे देते हैं कि किसी को बताना नहीं। इसका यह अर्थ हुआ कि घर के एक बच्चे को विशेष बना दिया जाता है।

कभी बच्चा अपनी बात मनवाने के लिए जिद करता है या रोता है तो घर के लोग उसकी इच्छा पूरी कर देते हैं। इस तरह हठ करके या रो-धोकर वह अपनी बात मनवाने का आदि हो जाता है। यदि उसकी बात को उसके जिद करने से पहले मान लिया जाए तो कितना ही अच्छा हो जाए।

बच्चा झूठ बोलना घर से ही सीखता है। माता-पिता यदि बच्चे को कहीं नहीं ले जाना चाहते और घर छोड़कर जाना चाहते हैं तो कह देते हैं डाक्टर के पास जा रहे हैं या आफिस जा रहे हैं। बच्चा उनकी यह बात सच मान लेता है और वह चुप हो जाता है और उस समय उनके साथ जाने की जिद नहीं करता। इसके अतिरिक्त जब कोई अवांछित मित्र या सम्बन्धी घर मिलने आता है या उसका फोन आता है तो घर के सदस्य कहला देते हैं कि वे घर पर नहीं हैं। यहीं से बच्चे के झूठ बोलने की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है, आजन्म जिसका प्रयोग वह अपने बचाव के लिए करता है।

घर के सदस्यों का व्यवहार छोटा बच्चा बहुत बारीकी से परखता है और उसके मन में सभी सदस्यों की एक छवि अंकित हो जाती है। वह यह देखता है कि उसके माता-पिता का अपने माता-पिता, भाई-बहनों, सम्बन्धियों, मित्रों और सहकर्मियों के साथ कैसा व्यवहार है? उसी के अनुरूप ही वह भी व्यवहार करने लगता है।

बहुधा बच्चों को हम मुँहफट कह देते हैं। पर उस समय वे सच बोल रहे होते हैं। बड़े अपनी पोल खुल जाने को सहन नहीं कर पाते और बच्चों को दोषी मानकर उन्हें प्रताड़ित करते हैं। वे उस समय इस सत्य को भूल जाते हैं कि सब उन्हीं के बोए बीजों का परिणाम हैं।बच्चे बेचारे को तो पता ही नहीं होता कि वह क्या कर रहा है? हम बड़ों की साजिश ही उसे इस दलदल में धकेलने की दोषी बनती है। बड़ा होकर जब वह ये सब हरकतें करता हैं तो उसे घर के बड़े लोग डाँटते हैं, मारते हैं या सजा देते हैं पर अपने गिरेबान में झाँककर नहीं देखते।

घर छोटे बच्चे की पाठशाला होता है जहाँ पर वह जीवन का ककहरा पढ़ता है। वहीं पर वह अच्छाई और बुराई को देखता है, समझता है और सीखता है। और फिर उसकी बुद्धि के अनुसार जो उसे सरल और सुविधाजनक मार्ग लगता है उस पर बिना परिणाम की चिन्ता किए चलने लगता है। बच्चों के समक्ष अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें ताकि उन मासूमों को दोषी ठहराने की आवश्यकता ही न पड़े।

वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए सुबोध शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली रवाना



मुजफ्फरनगर। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए मुजफ्फरनगर से पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता बसों एवं गाड़ियों के काफिले के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए।

इस दौरान कार्यकताओं में महारैली को लेकर उत्साह दिखाई दिया। काफिले में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगा नजर आया।

कार्यकताओं ने लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए दिल्ली की ओर कूच किया।

पूर्व जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा के नेतृत्व में निकला यह काफिला कांग्रेस कार्यकताओं की भागीदारी के रूप में चर्चा का विषय बना रहा।

संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर, प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तैनात होगा अतिरिक्त पुलिस बल

बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश, पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचने पर मंत्री को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर



मुजफ्फरनगर। आगामी दीपावली एवं अन्य पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, राजनीतिक पेंशन, सैनिक कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग तथा जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक से पूर्व पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचने पर पुलिस की टुकड़ी द्वारा प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि दीपावली सहित आगामी त्योहारों के दौरान जनपद में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए। संवेदनशील क्षेत्रों शहर के प्रमुख बाजारों, व्यस्त चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए रखें, जिससे कहीं भी शांति एवं सौहार्द का वातावरण प्रभावित न हो।

उन्होंने अधिकारियों को त्योहारों के मद्देनजर सफाई व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को त्योहार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, अभिषेक चौधरी, प्रमेश सैनी, शिवम सैनी, अंचित मित्तल आदि मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व्यवस्था के बीच थानाभवन के तीन विद्यालयों में PET परीक्षा हुई संपन्न

पुलिस और प्रशासन की टीम रही मुस्तैद,पेपर छूटने पर मुख्य मार्ग पर लगा जाम



थानाभवन। नगर में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) की परीक्षा सम्पन्न हुई।परीक्षा के लिए नगर के तीन विद्यालयों लाला लाजपत राय इंटर कालेज,लाला लाजपत राय कन्या इंटर कॉलेज एवं किसान इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया था, जहां सुबह से ही अभ्यर्थियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती रही और आने-जाने वाले अभ्यर्थियों पर नजर रखी गई। केंद्रों पर प्रवेश के दौरान निर्धारित नियमों का पालन कराया गया। वहीं कुछ अभ्यर्थी निर्धारित समय से देरी से भी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे, जिन्हें लेकर केंद्रों पर हलचल देखने को मिली। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारू रखने का प्रयास किया गया। अधिकारियों की सतर्कता के बीच परीक्षा संपन्न कराने की प्रक्रिया जारी रही। दिन में 12:00 बजे और 5:00 दिल्ली सहारनपुर रोड पर दो स्थानों पर छुटने के समय की स्थिति पैदा हो गई जिसे पुलिस कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए जाम को खुलवाकर यातायात को सामान्य किया।

प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर नवीन मंडी के व्यापारी श्रीनिवास मित्तल व शुभम मित्तल के आवास पर पहुंचे



मुजफ्फरनगर। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने र-विवार को मुजफ्फरनगर के नवीन मंडी के व्यापारी श्रीनिवास मित्तल एवं शुभम मित्तल के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। प्रभारी मंत्री के आगमन पर मित्तल परिवार ने उनका स्वागत किया।

प्रभारी मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी, भाजपा नेता अचिंत मित्तल , अभिषेक चौधरी भी मौजूद रहे। इस-के अतिरिक्त नवीन मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, रिंकल बंसल की उपस्थिति भी रही। सभी ने एक-दूसरे से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

नवीन मंडी स्थल के प्रतिष्ठित व्यापारी श्रीनिवास मित्तल एवं शुभम मित्तल के आवास पर प्रभारी मंत्री का पहुंचना व्यापारिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय रहा। इस अवसर पर मित्तल परिवार और उपस्थित लोगों के बीच आत्मीयता एवं सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश पुंडीर साथियों सहित दिल्ली रैली में शामिल हुए

मुजफ्फरनगर। जिले से कांग्रेस नेता राकेश पुंडीर पुलिस प्रशासन से जूझते हुए साथियों सहित पहुंचे रामलीला मैदान नई दिल्ली "

आज 1 नवंबर को आपका वोट का अधिकार संविधान की रक्षा किसान मजदूर व्यापारी बेरोजगार युवा और महंगाई जैसी विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित राहुल गांधी के नेतृत्व में रामलीला मैदान नई दिल्ली में वोट बचाओ देश बचाओ ऐतिहासिक महा रैली संपन्न हुई। इस महा रैली में जनपद मुजफ्फरनगर से कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव एवं पूर्व कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राकेश पुंडीर पुलिस प्रशासन से जूझते हुए अपने साथियों के साथ रामलीला



मैदान नई दिल्ली महारैली में शामिल हुए। उनके साथ पहुंचने वालों में मुख्य रूप से पीसीसी सदस्य सतीश सहरावत, सेवादल नगर अध्यक्ष मुकुल शर्मा, जिला महासचिव श्याम सिंह पुंडीर अजय कुमार मुकेश ठाकुर कृष्ण पाल पुंडीर राजेंद्र पाल सिंह नरेंद्र गुप्ता सुशील कुमार मुनेश राणा ठाकुर सुभाष सिंह जनेश्वर सिंह पुंडीर मूलचंद शर्मा मोहन पाल सिंह अजमत राणा राजेंद्र सिंह नीरज तोमर डॉ जगदीश सिंह रामकुमार खत्री अभिजीत खत्री विनोद ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक का 4 नवंबर को घेराव करेंगे भाकियू तोमर के कार्यकर्ता

मुजफ्फरनगर। चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि 3 नवंबर को भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के हजारों किसान नौचंदी ट्रेन से लखनऊ के लिए कूच करेंगे। 4 नवंबर को 17 महाराणा प्रताप मार्ग स्थित प्रधान मुख्य वन संरक्षक के कार्यालय पर विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें किसानों पर दर्ज फर्जी मुकदमों सहित विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। महापंचायत के माध्यम से प्रदेश एवं केंद्र सरकार के नाम 36 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।



उन्होंने कहा कि किसानों की प्रमुख मांगों में गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करना, गन्ने का बकाया भुगतान जल्द से जल्द कराना, किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करना तथा लॉकडाउन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों को समाप्त कराना शामिल है। इसके अलावा किसानों के ट्रैक्टरों की आयु सीमा कम से कम 30 वर्ष निर्धारित करने, किसान आयोग का गठन करने, जनपद मुजफ्फरनगर में एम्स अस्पताल की स्थापना कराने तथा मेरठ में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित कराने की मांग भी उठाई जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसान लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। लखनऊ की महापंचायत के माध्यम से सरकार को किसानों की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा और मांगों के निस्तारण की आवाज बुलंद की जाएगी।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, कार्यकारिणी सदस्य एहसान, जिला अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक तोमर, कार्यकारिणी प्रदेश प्रभारी अजय त्यागी, जिला सचिव शिराजुद्दीन, शादाब, दानिश, गुलजार, सोनू, वाजिद सहित अनेक पदाधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

टैक्स बार एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया दीपोत्सव, प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर



मुजफ्फरनगर। टैक्स बार एसोसिएशन (पंजी.) द्वारा गोल्डन एरा रेस्तरां में दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। अध्यक्ष सलिल वत्स, महासचिव बृज मोहन, पूर्व अध्यक्ष आरके शर्मा, लक्ष्मण सिंह व रोहिताश करणवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कैरम, लूडो व शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शतरंज में रवि शंकर अग्रवाल, लूडो में अमित कुमार व कैरम में अमित तायल विजेता रहे। तोलमोल के बोल, विधिक क्विज तथा भाव द्वारा अभिव्यक्ति को व्यक्त किया जाना प्रदर्शन किया गया तथा सही उत्तर देने वाले को पुरस्कृत किया गया। अंत में स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया गया। कार्यक्रम का संयोजन अभिलाष गुप्ता व शलभ गर्ग ने किया। केक काटकर दीपक शर्मा का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर राजीव गुप्ता, नमन मित्तल, नीरज पाल, विकास वत्स, निथीश गुप्ता, कृष्ण कुमार, मुकेश ढींगरा, रक्षित कुश, अनुज सैनी, अजय सैनी, अभिषेक, मौ. शाहजैब, तसलीम अहमद, असगर मेहदी, रजनीश आदि मौजूद रहे।

शामली एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया यातायात माह का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में आज से यातायात माह का शुरू हो गया है।जिसके उपलक्ष्य में शामली पुलिस लाइन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे पुलिस अधीक्षक ने स्कूली बच्चों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाते हुए उन्हें यातयात के नियमों के प्रति जागरूक किया और यातायात जागरूकता के तहत एक यातायात पुलिस के एक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान पुलिस विभाग के तमाम अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। आपको बता दे कि रविवार से यातायात माह का शुरूआत हो चुकी है।जिसके चलते शामली पुलिस लाइन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जहा पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली बच्चों को यातायात के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें यातयात नियमों की जानकारी दी।जिसके बाद पुलिस अधिक्षक ने यातायात जागरूकता के तहत चलाए गए एक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज से पूरे एक माह तक यातयात माह चलाया जाएगा।

जिसमे यातयात नियमों को लेकर विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों यातयात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद में कई हाइवे बन चुके है और हादसों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।जिसके पीछे अहम वजह लोगो को यातायात के नियमों की सही ढंग से जानकारी न होना है।जिसके चलते पुलिस मुख्यालय काफी गंभीर है और यातायात माह में सभी लोगों को ट्रैफिक के नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दुपहिया वाहन पर बिना हेलमेट लगाए चलते है या ट्रिपल राइडिंग करते है जो कि यातायात नियमों का बड़ा उल्लंघन है।उन्होंने कहा कि अब नए यातायात नियम के तहत केवल बाइक चलाने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट लगाना अनिवार्य होगा।इसके पीछे शासन की केवल यही मंशा है कि दुर्घटना की दर में कमी लाई जा सके और सड़कों पर यात्रा करने वाले लोग सकुशल अपनी यात्राएं कर सके।उन्होंने कहा कि इस महीने के सभी 30 दिनों में पूरे जिले में यातायात जागरूकता के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगो को नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।एसपी ने कहा कि हमारे जिले में दर्जनों की संख्या में पेट्रोल पंप है उन पर भी लगातार सुबह से शाम तक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है जो लोगों से बिना हेलमेट के बाइक न चलाने का आग्रह करते है।इस दौरान पुलिस विभाग के तमाम अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

रंग संसार

31 साल पहले आया था गोविंदा का 'हार्ट ब्रेकिंग एंथम', कुमार सानू ने गाया था 'अधूरी मोहब्बत' का पैगाम



नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा को 90 के दशक का सुपरस्टार माना जाता है। उस वक्त गोविंदा की ज्यादातर फिल्में हिट रही थीं और उनकी कहानी के साथ-साथ गाने भी काफी पॉपुलर हुए थे। इसी आधार पर आज हम आपको गो-विंदा की एक कल्ट क्लासिक फिल्म के ऐसे लोकप्रिय गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे 90 के दशक का हार्ट ब्रेकिंग एंथम माना गाया था। कमाल की बात ये थी कि उस सॉन्ग को गाने वाले गायक कोई और नहीं कुमार शानू हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं- अभिनेता गोविंदा के जिस दर्दभरे गीत के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, वह उनकी लोकप्रिय फिल्म आंदोलन से नाता रखता है, जिसे साल 1995 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। अजीज शेजवाल के निर्देशन में बनने वाली इस मूवी में गोविंदा के अलावा ममता कुलकर्णी, दिव्या भारती और संजय दत्त जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिका को अदा किया। फिल्म आदोंलन से अधिक चर्चा उसकी कल्ट सॉन्ग- आएगी हर पल तुझे मेरी याद की हुई थी। इस गाने को सिंगर कुमार सानू और गायिका अल्का याग्निक ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। प्यार में बिछड़ने वाले कपल आज भी गोविंदा और ममता कुलकर्णी पर फिल्माए गए इस सदाबहार गीत को सुनना पसंद करते हैं और इसे वजह से सानू और अल्का का आएगी हर पल तुझे मेरी याद... एक हार्ट ब्रेकिंग सॉन्ग माना जाता है। बात की जाए आंदोलन के आएगी हर पल तुझे मेरी याद... गाने की मेकिंग के बारे में तो इसके लिरिक्स हिंदी सिनेमा के मशहूर गीतकार समीर की कलम से निकले थे, जबकि 90 के दशक की पॉपुलर संगीतकार की जोड़ी नदीम और श्रवण ने मिलकर इस गाने की धुनों को तैयार किया था। गोविंदा और ममता कुलकर्णी का आएगी हर पर तुझे मेरी याद... रिलीज के 31 साल बाद अमर है। एक दर्दभरे नगमे के तौर पर इस गाने को प्यार में दूर रहने वाले कपल खूब सुनना पसंद करते हैं। इतना ही नहीं कुमार सानू और अल्का

राज काज

विरासत की जंग में उलझा 115 साल पुराना टीवीएस ग्रुप, खतरे में लिस्टेड कंपनियों का प्रशासन

नई दिल्ली। वेणु श्रीनिवासन परिवार में उत्तराधिकार को लेकर चल रहे विवाद से टीवीएस होल्डिंग्स लिमिटेड और टीवीएस मोटर कंपनी के संचालन एवं प्रबंधन संबंधी जोखिम पैदा हो सकते हैं। हालांकि, स्वामित्व के हस्तांतरण और प्रबंधन में बदलाव औपचारिक कॉरपोरेट प्रक्रियाओं के जरिए किए गए हैं। कॉरपोरेट संचालन और प्रशासन पर सलाह देने वाली कंपनी इनगवर्न ने रविवार को यह बात कही। इस विवाद का विश्लेषण करने वाली अपनी रिपोर्ट में इनगवर्न ने कहा कि अल्पांश शेयरधारकों की मुख्य चिंता परिवार की निजी संपत्ति के बंटवारे को लेकर नहीं है, बल्कि यह है कि उत्तराधिकार के अधिकार, प्रवर्तकों का नियंत्रण और प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाएं कितनी स्पष्ट हैं, उन्हें कितनी कानूनी निश्चितता हासिल है और उनका खुलासा कितनी पारदर्शिता से किया गया है। वेणु श्रीनिवासन परिवार में संपत्ति और कारोबार के बंटवारे को लेकर मतभेद सामने आने के बाद यह विवाद अक्टूबर में सार्वजनिक हुआ। वेणु श्रीनिवासन टीवीएस होल्डिंग्स के चेयरमैन हैं। श्रीनिवासन का कहना है कि उन्होंने अपनी निजी संपत्तियों और परिवार के कारोबार को पारदर्शी तरीके से अलग कर दिया है। वहीं, उनकी पत्नी मल्लिका श्रीनिवासन और बेटी लक्ष्मी वेणु का कहना है कि परिवार के भीतर संपत्ति का कोई आर्थिक समझौता नहीं हुआ है। इस विवाद के केंद्र में 21 मार्च, 2024 को वेणु श्रीनिवासन, मल्लिका श्रीनिवासन, लक्ष्मी वेणु और उनके बेटे सुदर्शन वेणु के बीच हुआ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। टीवीएस होल्डिंग्स ने 22 मार्च, 2024 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को इस एमओयू की जानकारी दी थी। कंपनी ने कहा था कि इससे उसके कारोबार या पहले की तरह कामकाज जारी रखने की क्षमता पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।इनगवर्न ने क्या कहा? हालांकि, इनगवर्न के अनुसार, शेयर बाजार को दी गई सूचना में एमओयू की शर्तों का खुलासा नहीं किया गया था और न ही यह स्पष्ट किया गया था कि परिवार के बीच संपत्ति को लेकर पूरा आर्थिक समझौता हो चुका है। मल्लिका श्रीनिवासन और लक्ष्मी वेणु सार्वजनिक रूप से कहती रही हैं

दैनिक राशिफल सोमवार 02 नवम्बर 2026

मेष – अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष – महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

कर्क – राजकीय कार्यों से लाभ। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

सिंह– अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढड़े के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

कन्या – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है।

तुला – पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

वृश्चिक – स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर – मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

कुंभ – स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मीन – सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

दैनिक पंचांग

2 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.16 ब.से
चंद्र	कर्क में	धनु	09.32 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.37 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.23 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.56 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.27 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.07 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.05 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.18 बजे से
		सिंह	00.34 बजे से
		कन्या	02.46 बजे से
		तुला	04.57 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 306 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 13.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 03.47 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुभ 12.07 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 13.11 बजे तदनन्तर तैतिल 00.30 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872881
जूलियन दिन 2461346.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 21

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक		उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक		शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक		अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक	
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक		चर	04.22 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर की पेपर मिल में काम करते समय मजदूर की मौत: अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत, भोकरहेड़ी में छाया शोक

जट मुझेड़ा स्थित फैक्ट्री में ड्यूटी के दौरान अचानक बिगड़ी तबीयत

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी निवासी एक 51 वर्षीय व्यक्ति की जट मुझेड़ा स्थित फैक्ट्री में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। अचानक हुई इस दुखद घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद धार्मिक नगरी शुक्रताल में उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

रात की पाली में काम करते समय अचानक गिरे

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला कुँवापट्टी निवासी 51 वर्षीय अरविंद शर्मा पुत्र स्व. परिवारजन, नई मंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव जट मुझेड़ा में मुजफ्फरनगर मार्ग पर स्थित 'पारिजात पेपर मिल्स लिमिटेड' फैक्ट्री में कार्यरत थे। रोजाना की तरह वे रात की पाली में अपनी ड्यूटी पर तैनात थे।काम के दौरान अचानक अरविंद शर्मा चक्कर खाकर फर्श पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से फैक्ट्री में काम कर रहे अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

फैक्ट्री प्रबंधन और साथी कर्मचारियों द्वारा आनन-फानन में अरविंद शर्मा



को उपचार के लिए बेगराजपुर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुँचने पर चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाने से पहले ही उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और शव का पंचनामा भरकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। शुक्रताल श्मशान घाट पर हुआ अंतिम संस्कार पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोपहर में अरविंद शर्मा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक निवास भोकरहेड़ी (मोहल्ला कुँवापट्टी) लाया गया। शव के घर पहुँचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। इसके बाद रिश्तेदार और स्थानीय ग्रामीण शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने पहुँचे। तत्पश्चात, पवित्र तीर्थ स्थल शुक्रताल स्थित श्मशान घाट पर गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया, जहाँ उपस्थित लोगों ने उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। अरविंद शर्मा की अचानक हुई मौत से उनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया गया है कि अरविंद शर्मा अविवाहित थे और अपने परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करते थे। उनके परिवार में उनके भाई सतीश कुमार और भतीजा मोहित कुमार हैं, जिनका इस दुखद घड़ी में रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद से ही मोहल्ला कुँवापट्टी सहित पूरे भोकरहेड़ी क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

मुजफ्फरनगर में डेंगू के डंक से आईसीयू में पहुंची जैन कन्या इंटर कॉलेज प्रधानाचार्या: स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर उठे सवाल

सरकारी कागजों में महज 39 मरीज, जबकि निजी अस्पतालों में उमड़ रही मरीजों की भीड़

मुजफ्फरनगर। जिले में डेंगू और अज्ञात वायरल फीवर का प्रकोप लगातार भयावह रूप लेता जा रहा है। एक तरफ जहां शहर का हर दूसरा-तीसरा घर बुखार की चपेट में है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग की ढिलाई और जमीनी हकीकत से दूर आंकड़े जनता पर भारी पड़ रहे हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर के प्रतिष्ठित जैन कन्या इंटर कॉलेज (नई मंडी) की प्रधानाचार्या किरन देवी डेंगू की चपेट में आने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गई हैं और फिलहाल बरेली के एक निजी अस्पताल के आईसीयू (ICU) में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। प्रधानाचार्या किरन देवी की तबीयत बिगड़ने पर उनके पति सुदर्शन लाल ने सोशल मीडिया (फेसबुक) पर एक भावुक पोस्ट साझा कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेंगू संक्रमण के कारण उनकी पत्नी की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और चिकित्सक लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। इस खबर के सामने आते



ही जिले के शिक्षा जगत, शिक्षक संघों और आम नागरिकों में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लचर कार्यप्रणाली को लेकर गहरा आक्रोश और चिंता व्याप्त हो गई है। आंकड़ों का खेलः कागजों में 39, जमीन पर रोजाना 50 से अधिक मरीज स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर अब सीधे तौर पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. सुनील कुमार तेवतिया का दावा है कि जिले में अब तक डेंगू के केवल 39 मरीजों की आधिकारिक पुष्टि हुई है और जिला अस्पताल में इसके लिए पृथक (आइसोलेशन) वार्ड बनाया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। स्थानीय रिपोर्टों और सूत्रों के अनुसार, मुजफ्फरनगर के निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और पैथोलॉजी लैब में रोजाना औसतन 50 से अधिक डेंगू के नए मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग निजी अस्पतालों से वास्तविक आंकड़े जुटाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है, जिससे संक्रमण के फैलाव का सही अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका और नगर पंचायतों द्वारा जलभराव रोकने और मच्छररोधी फॉगिंग कराने में घोर लापरवाही बरती जा रही है। शहर की कई कॉलोनियों में नालियां बजा बजा रही हैं और जमा पानी में डेंगू के मच्छरों (एडिज) का प्रजनन तेजी से हो रहा है। यदि प्रशासन ने समय रहते अभियान चलाकर फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव के कड़े कदम नहीं उठाए, तो आने वाले दिनों में स्थिति पूरी तरह बेकाबू हो सकती है।

दशहरे की छुट्टी पर मामा के घर आई किशोरी लापता, तीन युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव का मामला, मामा की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पहले भी किशोरी को ले जाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तौफिर में अपने मामा के घर दशहरे की छुट्टियों में आई करीब 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के मामा ने हरिद्वार और मुजफ्फरनगर जिले के तीन युवकों पर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने किशोरी के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से उसकी सकुशल बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो बाइकों पर सवार होकर रात में गांव पहुंचे थे युवक

भोपा पुलिस को दी गई तहरीर में गांव मजलिसपुर तौफिर निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी करीब 15 वर्षीय भांजी दशहरे की छुट्टियों में उसके घर आई हुई थी। आरोप है



कि 26 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे तीन युवक दो बाइकों पर सवार होकर गांव पहुंचे। इनमें अंकित पुत्र सुरेश निवासी तिलकपुरी थाना लक्सर, मनोज पुत्र रामपाल निवासी फरकपुर थाना पुरकाजी और अतुल पुत्र हरद्वारी निवासी बाड़ी टीप थाना लक्सर शामिल बताए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, तीनों युवक एक राय होकर उसकी भांजी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान गांव के एक व्यक्ति ने एक बाइक पर सवार युवक के चेहरे पर कपड़ा बंधा देखकर उन्हें टोका। इस पर बाइक सवार ने गांव के ही एक व्यक्ति को अपना जीजा बताते हुए कहा कि वे एक कार्यक्रम में देर हो जाने के कारण अपने घर लौट रहे हैं।

तलाश के दौरान ग्रामीण ने बताई रात की घटना

तहरीर के मुताबिक, किशोरी के लापता होने की जानकारी मिलने पर उसके मामा ने परिजनों के साथ उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव के व्यक्ति ने उन्हें रात में हुई पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद किशोरी के मामा और पिता अपने परिजनों के साथ नामजद आरोपियों अंकित और मनोज के घर पहुंचे, लेकिन दोनों वहां नहीं मिले। काफी तलाश के बावजूद किशोरी का कोई पता नहीं चल सका।

पहले भी ऐसी घटना होने का लगाया आरोप

शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि नामजद युवक पहले भी इस तरह की घटना कर चुके हैं। उस समय ग्रामीणों और पुलिस के दबाव में किशोरी को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था। हालांकि लोकलाज के भय से परिवार ने उस समय मामले को दबा लिया था और कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कराई थी। अब दोबारा किशोरी के लापता होने से परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल है। अनहोनी की आशंका जताकर पुलिस से लगाई गुहार

किशोरी के मामा ने आशंका जताई है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उसकी भांजी के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। उन्होंने पुलिस से किशोरी को जल्द से जल्द सकुशल बरामद कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने 31 अक्टूबर को प्राप्त तहरीर के आधार पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच और किशोरी की बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

मीरापुर में थाने में अपराधियों का पुलिस ने किया सत्यापन: ऑपरेशन चक्रवात के तहत दिलाई अपराध न करने की शपथ

कानून का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिलाई गई शपथ

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आम नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बनाने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) सूरज कुमार राय के निर्देशन में पूरे जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रवात के तहत रविवार को थाना मीरापुर सहित जनपद के सभी थानों में पुराने अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में हड़कंप मच गया है।

थाने बुलाकर खंगाला वर्तमान रिकॉर्ड

इस ऑपरेशन चक्रवात अभियान के दौरान पूर्व में विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे व्यक्तियों को संबंधित थानों में तलब किया गया। थाना मीरापुर में थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीम ने आए सभी व्यक्तियों की वर्तमान गतिविधियों, रोजगार, परिजनों और दैनिक दिनचर्या से जुड़ी आवश्यक जानकारियां जुटाईं। इसके साथ ही सभी का विस्तृत डोजियर भरवाकर एक व्यवस्थित और अद्यतन (अपडेटेड) डेटाबेस तैयार किया गया,



ताकि भविष्य में उनकी हर हलचल पर नजर रखी जा सके।

अपराध से तौबा करने की सख्त हिदायत, दिलाई गई अच्छे नागरिक बनने की शपथ

सत्यापन प्रक्रिया के दौरान थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने सभी पूर्व अपराधियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि वे किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी या आपराधिक गतिविधि में दोबारा शामिल न हों। इसके साथ ही पुलिस अधिकारियों द्वारा सभी को कानून का पालन करने और समाज में एक जिम्मेदार व शांतिप्रिय नागरिक की तरह जीवन जीने की शपथ भी दिलाई गई। क्या है ऑपरेशन चक्रवात का मुख्य उद्देश्य?

पुलिस प्रशासन के अनुसार ऑपरेशन चक्रवात चलाने का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराधों की पुनरावृत्ति रोकना और पुराने शातिर अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों पर पैनी नजर रखना है। एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस पहल से जहां एक ओर अपराधियों पर नकेल कसेगी, वहीं दूसरी ओर आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना अधिक मजबूत होगी।

मीरापुर क्षेत्र की टिकोला शुगर मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ: शुकदेव आश्रम के आचार्यों ने वैदिक मंत्रों के साथ कराई चैन पूजा

अधिकारियों ने चीनी मिल के सुरक्षित और सफल संचालन की ईश्वर से की कामना, किसानों से की खास अपील

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र की प्रमुख चीनी मिल टिकोला शुगर मिल में रविवार को नए पेराई सत्र 2026-27 के शुभ अवसर पर वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार के बीच भव्य चैन पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुकदेव आश्रम से पधारे पं. अंचल कृष्ण शास्त्री द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इस दौरान मिल प्रबंधन के शीर्ष अधिकारियों, इंजीनियरों एवं कर्मचारियों ने आहुति देकर नए पेराई सत्र के निर्विघ्न, सुरक्षित और सफल संचालन की प्रार्थना की।

गन्ने की समयबद्ध पेराई के लिए तैयारियां पूरी

चैन पूजा के उपरांत अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मिल प्रबंधन ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए टिकोला चीनी मिल की सभी तकनीकी और भौतिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मिल के पेराई तंत्र (क्रशिंग प्लांट) से लेकर तौल कांटों और परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया गया



है ताकि क्षेत्र के किसानों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मिल प्रबंधन ने किसानों से की विशेष अपील

कार्यक्रम के दौरान मिल प्रबंधन ने क्षेत्र के सम्मानित किसान भाइयों से सहयोग की अपील की। प्रबंधन ने कहा कि किसान भाई गन्ने की कटाई और छिलाई में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा साफ-सुथरा और ताजा गन्ना ही मिल में आपूर्ति करें। उन्होंने किसानों से अपना संपूर्ण गन्ना टिकोला शुगर मिल को ही बेचने का आह्वान किया ताकि समय पर पेराई के साथ-साथ उन्हें बेहतर लाभ मिल सके। पूजा-अर्चना एवं शुभारंभ कार्यक्रम में मिल के अधिशासी अध्यक्ष हरकीरत सिंह, गन्ना महाप्रबंधक अजीत सिंह, उपाध्यक्ष (तकनीकी) राजवीर सिंह, महाप्रबंधक (उत्पादन) ओमवीर सिंह, सह-कारखाना प्रबंधक संजीव कुमार, महाप्रबंधक (वाणिज्य) गौतम विश्वास, उपमहाप्रबंधक (गन्ना) अविनाश ठाकुर तथा गन्ना विकास प्रमुख दिनेश कुमार अग्रहरी सहित मिल के सभी मुख्य प्रबंधक, अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जैन डिग्री कॉलेज की सेविका का एटीएम कार्ड बदलकर खाते से उड़ाए 66 हजार रुपये

कॉलेज के पास एसबीआई के एटीएम से दो हजार रुपये निकालने पहुंची थीं प्रवेश कुमारी शर्मा, पास में मौजूद अज्ञात व्यक्ति पर कार्ड बदलने का आरोप; तीन दिन बाद बैंक में पासबुक की प्रविष्टि कराने पर हुआ धोखाधड़ी का खुलासा

मुजफ्फरनगर। शहर में एटीएम कार्ड बदलकर बैंक खातों से रकम निकालने वाले गिरोह की सक्रियता का एक और मामला सामने आया है। जैन डिग्री कॉलेज में सेविका के पद पर कार्यरत प्रवेश कुमारी शर्मा के साथ एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी किए जाने का आरोप है। कॉलेज के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम से दो हजार रुपये निकालने पहुंची महिला का कार्ड कथित रूप से वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने बदल लिया। महिला को इसकी भनक तक नहीं लगी। इसके बाद आरोपित ने उनके बैंक खाते से अलग-अलग स्थानों पर कई बार में कुल 66 हजार रुपये निकाल लिए। हैरानी की बात यह रही कि महिला को खाते से रकम निकाले जाने की जानकारी तत्काल नहीं हो सकी। तीन दिन बाद जब वह बैंक में पासबुक में लेन-देन की प्रविष्टि कराने पहुंचीं तो खाते से लगातार नकदी निकाले जाने का मामला सामने आया। बैंक अधिकारियों से जानकारी मिलने के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। उनकी तहरीर पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो हजार रुपये निकालने पहुंची थीं सेविका, एटीएम कक्ष में मौजूद था दूसरा व्यक्ति

जैन डिग्री कॉलेज में सेविका के पद पर कार्यरत प्रवेश कुमारी शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे वह कॉलेज के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम पर रुपये निकालने गई थीं। उनका केनरा बैंक में खाता है और वह इसी खाते से जुड़े एटीएम कार्ड के माध्यम से नकदी निकाल रही थीं। उन्होंने एटीएम से दो हजार रुपये निकाले। तहरीर के अनुसार, जिस समय वह रुपये निकाल रही थीं, उसी दौरान वहां एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। आरोप है कि इसी व्यक्ति ने मौका पाकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। महिला को उस समय इस बात का अहसास नहीं हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है। वह अपने पास मौजूद कार्ड को अपना समझकर वहां से चली गईं। आरोप है कि एटीएम कार्ड बदलने के बाद अज्ञात व्यक्ति ने महिला के बैंक खाते से अलग-अलग स्थानों पर नकदी निकालनी शुरू कर दी। बैंक से मिली जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर को ही खाते से कई बार में रकम निकाली गई। निकासी का विवरण सामने आने पर पता चला कि ठगी करने वाले ने एक ही स्थान से पूरी रकम निकालने के बजाय अलग-अलग एटीएम और स्थानों का इस्तेमाल किया। इससे महिला के खाते से कुल 66 हजार रुपये निकल गए। पीड़िता के बैंक खाते के विवरण में सबसे अधिक निकासी कोर्ट रोड स्थित एटीएम से दर्ज मिली। यहां से चार अलग-अलग लेन-देन में नकदी निकाली गई। पहले तीन बार दस-दस हजार रुपये निकाले गए, जबकि चौथी बार आठ हजार रुपये निकाले गए। इस प्रकार कोर्ट रोड स्थित एटीएम से कुल 38 हजार रुपये निकाले जाने का विवरण बैंक रिकॉर्ड में सामने आया है। एक के बाद एक हुई इन निकासी से स्पष्ट हुआ कि कार्ड बदलने के बाद खाते से लगातार रकम निकाली गई।

शिवधाम फिलिंग सेंटर से दो बार निकाले दस-दस हजार रुपये

बैंक के लेन-देन विवरण में शिवधाम फिलिंग सेंटर से भी दो बार नकदी निकाले जाने की जानकारी दर्ज है। यहां से दो अलग-अलग लेन-देन में दस-दस हजार रुपये निकाले गए। इस तरह इस स्थान से कुल 20 हजार रुपये खाते से निकाले गए। इसके अलावा मेरठ जनपद के लावड़ क्षेत्र स्थित एटीएम से आठ हजार रुपये निकाले जाने का विवरण भी बैंक रिकॉर्ड में मिला। कोर्ट रोड, शिवधाम फिलिंग सेंटर और लावड़ में हुई निकासी को मिलाकर कुल 66 हजार रुपये की रकम निकाली गई।

तीन दिन तक खाते से रकम निकलने की जानकारी नहीं हुई

अत्याचार के खिलाफ लट्ठ लेकर उतरा अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा, कार्यकर्ताओं को दिलाई शपथ

मुजफ्फरनगर में चौथा लट्ठ पूजन कार्यक्रम आयोजित, मोहन प्रजापति ने योगी सरकार पर लगाए भेदभाव के आरोप; बोले- अब अत्याचार और शोषण बर्दाश्त नहीं करेगा समाज

मुजफ्फरनगर। अति पिछड़े और दलित समाज के लोगों पर कथित अत्याचार, शोषण और हत्याओं के विरोध में भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा ने रविवार को मुजफ्फरनगर में चौथा लट्ठ पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। टाउन हॉल स्थित संगठन के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने विधि-विधान से लट्ठों का पूजन किया। उन्होंने लट्ठों पर कलावा बांधकर तिलक लगाया और इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हाथों में लट्ठ देकर समाज के हक-अधिकारों की रक्षा करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों पर कथित अत्याचार और हत्याओं के मामलों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की गई।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि वे स्वयं किसी पर अत्याचार नहीं करेंगे और न ही किसी के साथ होने वाले अन्याय और अत्याचार को बर्दाश्त करेंगे। बहन-बेटियों की रक्षा, संविधान की सुरक्षा तथा समाज के मान-सम्मान और हक-अधिकारों के लिए हमेशा आवाज उठाने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि लट्ठ पूजन कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का संकल्प लेना है। समाज के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा और किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठानी होगी।

इस दौरान मोहन प्रजापति ने प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में अति पिछड़े और दलित समाज के लोगों के साथ हुई घटनाओं और हत्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दबंग लोगों द्वारा कमजोर वर्गों के लोगों का शोषण किया जा रहा है और कई मामलों में आरोपियों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने योगी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में जाति देखकर भेदभाव किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। उनका कहना था कि जब किसी अपराध में आरोपी अति पिछड़े, दलित या मुस्लिम समाज से जुड़ा होता है तो बुलडोजर और एनकाउंटर जैसी सख्त कार्रवाई देखने को मिलती है, लेकिन जब आरोपी किसी दबंग वर्ग से संबंधित होता है तो कार्रवाई के नाम पर लीपापोती किए जाने के आरोप लगते हैं। मोहन प्रजापति ने कहा कि अति पिछड़े समाज ने भाजपा को सत्ता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज के लोगों ने उम्मीदों के साथ भाजपा का समर्थन किया था, लेकिन आज वही समाज अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को समान सुरक्षा और न्याय मिले। अपराधी चाहे किसी भी जाति या धर्म का हो, उसके खिलाफ निष्पक्ष और समान रूप से कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अति पिछड़ा समाज अब अपने ऊपर होने वाले अत्याचार और शोषण को बर्दाश्त नहीं करेगा। समाज अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई मजबूती से लड़ेगा। राजनीतिक भागीदारी के मुद्दे पर भी मोहन प्रजापति ने राजनीतिक दलों को स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा किसी एक राजनीतिक दल से बंधा हुआ नहीं है। समाज के अधिकारों और हितों के लिए वे किसी भी राजनीतिक दल के नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक दल दलित और पिछड़े समाज को उनकी आबादी के अनुपात में टिकट और राजनीतिक हिस्सेदारी देने का काम करेगा, संगठन का झुकाव उसी दल की ओर रहेगा। राजनीतिक दलों को समाज को केवल वोट बैंक समझने के बजाय उसे उचित प्रतिनिधित्व और सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक ताकत उसकी एकता और जागरूकता में है। जब तक अति पिछड़े और दलित समाज के लोग अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक उनकी समस्याओं का समाधान मुश्किल है। कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने समाज को एकजुट रहने और अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संघर्ष करने का संदेश दिया।

मीरापुर में गन्ने का भाव और भट्ठों की समस्याओं पर एकजुट हुए किसान: सरकार के खिलाफ लामबंदी तेज

सिकरेड़ा गांव में आयोजित बैठक में ईंट भट्ठा मालिकों और किसानों ने बुलंद की आवाज

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले कृषि क्षेत्र और कुटीर उद्योग ईंट भट्ठों से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं को लेकर रविवार को गांव सिकरेड़ा में किसानों और ईंट भट्ठा स्वामियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। वरिष्ठ किसान नेता दिनेश चौधरी के आवास पर हुई इस बैठक में गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य ड्ड500 प्रति कुंतल घोषित करने, आवारा पशुओं के आतंक से मुक्ति दिलाने और ईंट भट्ठा उद्योग पर थोपी जा रही कड़ी पर्यावरणीय शर्तों को वापस लेने की मांग पुरजोर ढंग से उठाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए 'आंदोलन जन कल्याण' के संयोजक एवं 'ईंट निमार्ता कल्याण समिति' के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने प्रशासनिक उपेक्षा पर गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांव-देहात में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले ईंट भट्ठा उद्योग की दो मुख्य समस्याओं को लेकर पिछले 3 महीनों से लगातार मंत्रियों, सांसदों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई जा रही है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात का समय मांगने की कोशिश की जा रही



है, पर समय नहीं मिल पा रहा है। प्रमोद कुमार ने स्पष्ट किया कि भट्ठा संचालकों पर उत्पीड़नकारी पर्यावरणीय स्वीकृति की जटिल शर्तें जबरन न थोपी जाएं, अन्यथा यह उद्योग पूरी तरह ठप हो जाएगा। बैठक में किसानों ने आगामी पेराई सत्र शुरू होने से ठीक पहले गन्ने का लाभकारी मूल्य 500 प्रति कुंतल घोषित करने की पुरजोर मांग की। इसके साथ ही, एनजीटी (NGT) और सरकार द्वारा वाहनों पर लागू 10 और 15 साल की सीमा का सख्त विरोध किया गया। किसानों का कहना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर और कृषि वाहनों का इस्तेमाल व्यावसायिक नहीं बल्कि बेहद सीमित और मौसमी होता है, इसलिए इन पर यह नियम लागू नहीं होना चाहिए। किसान नेता अमरजीत सिंह ने क्षेत्र में आवारा पशुओं (छुट्टा जानवरों) की बढ़ती समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि आवारा मवेशी दिन-रात किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों की लागत तक नहीं निकल पा रही है। पूर्व चेयरमैन नवीन सैनी की अध्यक्षता और महामंत्री बलराम तायल के कुशल संचालन में संपन्न हुई इस बैठक में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में वेद प्रकाश आर्य, अनंगपाल राठी, कृष्ण त्यागी, मिंटू, धीर सिंह वकील, सुशील ठाकुर, महेंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश, प्रदीप उर्फ बिट्टू, देवेंद्र ककरोली, हाजी इस्लाम और अमित सैनी सहित भारी संख्या में किसान एवं ईंट भट्ठा मालिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में निर्णय लिया कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

मुजफ्फरनगर में नहीं थमा डेंगू का कहर: पीनना और शेरपुर की दो मासूम बच्चियां चपेट में, 39 हुई संक्रमितों की संख्या

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में कराया एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग

मुजफ्फरनगर। जनपद में डेंगू के डंक का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्रामीण इलाकों में बुखार और डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ताजा मामले में जनपद के दो अलग-अलग गांवों की दो मासूम बालिकाओं में डेंगू संक्रमण की आधिकारिक पुष्टि हुई है। इसके साथ ही मुजफ्फरनगर में डेंगू पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 39 तक पहुंच गई है। नए मामले सामने आते ही स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में निरोधात्मक कदम उठाए गए।

10 और 8 साल की बालिकाएं डेंगू पॉजिटिव

जिला मलेरिया अधिकारी अलका सिंह ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गांव पीनना निवासी 10 वर्षीय बालिका और गांव शेरपुर निवासी 8 वर्षीय बालिका में डेंगू की पुष्टि हुई है। दोनों बालिकाओं में तेज बुखार और डेंगू के लक्षण दिखने पर जांच कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल दोनों बालिकाओं का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग की टीम नजर बनाए हुए है।

प्रभावित क्षेत्रों में एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग जारी

बालिकाओं में संक्रमण की पुष्टि होने के तुरंत बाद स्वास्थ्य विभाग की निरोधात्मक टीमों ने मोर्चा संभाल लिया। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने पीनना और शेरपुर पहुंचकर दोनों पीड़ित मरीजों के घरों के साथ-साथ आसपास की गलियों और मोहल्लों में व्यापक स्तर पर 'सोर्स रिडक्शन' (मच्छर उत्पत्ति के स्रोतों को खत्म करना) की कार्रवाई की। विभाग द्वारा



क्षेत्र में एंटी-लार्वा रसायनों का छिड़काव किया गया और फॉगिंग कराई गई। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए प्राथमिकता पर की जा रही है ताकि एडीज मच्छरों के प्रजनन स्थलों को पूरी तरह नष्ट किया जा सके और संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके। जांच में खुली दो पुराने मामलों की सच्चाई

हाल ही में मुकुंदपुर निवासी एक पुरुष और बघरा निवासी एक महिला की भी डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आने की जानकारी मिली थी, जिससे विभाग की चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जब जमीनी स्तर पर पड़ताल और सत्यापन किया गया, तो चौंकाने वाला सच सामने आया। जांच में पता चला कि मुकुंदपुर निवासी मरीज पिछले काफी समय से हरियाणा के पानीपत में रह रहा है, जबकि बघरा निवासी महिला काफी दिनों से मेरठ में निवास कर रही है। इन दोनों मरीजों का मुजफ्फरनगर में केवल मूल निवास है, जबकि वे संक्रमित बाहर रहकर हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग की अपीलः सतर्क रहें, पानी न जमा होने दें

जनपद में 39 मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से सतर्कता बरतने की अपील की है। जिला मलेरिया अधिकारी अलका सिंह ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अपने घरों और आसपास कुलर, गमलों, पुराने टायरों और छतों पर पानी इकट्ठा न होने दें। डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ पानी में ही पनपता है, इसलिए सप्ताह में एक दिन 'ड्राई डे' के रूप में मनाएं और जमा पानी को साफ करें। बुखार आने पर खुद दवा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं।

मुजफ्फरनगर में खंड शिक्षा अधिकारी निलंबितः शासनादेशों की अनदेखी करना पड़ा भारी, सहारनपुर मंडल कार्यालय से हुए संबद्ध

लापरवाही और आदेशों की अवहेलना पर पुरकाजी के बीईओ के खिलाफ हुई निलंबन की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। बेसिक शिक्षा विभाग में शासकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और उच्चाधिकारियों के निदेशों की अवहेलना के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मुजफ्फरनगर जनपद के पुरकाजी विकासखंड में तैनात खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) कमलेश बाबू पर विभागीय गाज गिरी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें मंडलीय शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), सहारनपुर मंडल के कार्यालय से संबद्ध किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी निलंबन पत्र के अनुसार, यह कार्रवाई शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश प्रयागराज के निदेशानुसार की गई है। जारी पत्र में खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश बाबू पर शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीरता न बरतने और उच्च स्तर से जारी निदेशों



का लगातार उल्लंघन करने के गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। इन मुख्य कारणों से गिरी बीईओ पर गाज

कार्रवाई के पीछे कई प्रमुख अनियमितताएं और लापरवाही सामने आई हैं: भोजनमाताओं के मानदेय कार्यक्रम में अनुपस्थितिः बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत भोजनमाताओं के मानदेय में वृद्धि के संबंध में ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश थे। बीईओ ने न तो इस कार्यक्रम का आयोजन कराया और न ही स्वयं इसमें सहभागिता की। सरप्लस शिक्षकों की सूची में लापरवाहीः एनआईसी (NIC) की आधिकारिक वेबसाइट पर सरप्लस शिक्षकों की सूची बिना किसी हस्ताक्षर या सत्यापन के अपलोड कर दी गई, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

अधिकारियों के आदेशों की अवहेलनाः बार-बार चेतावनी और दिशा-निर्देश दिए जाने के बावजूद बीईओ की कार्यशैली में कोई सुधार नहीं आया और वे लगातार वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी करते रहे। निलंबन आदेश में इन कृत्यों को प्रथम दृष्टया गंभीर दोष मानते हुए बीईओ कमलेश बाबू को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया गया है। मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए मंडलीय शिक्षा निदेशक, सहारनपुर मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है। निलंबित अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे अविलंब सहारनपुर स्थित मंडलीय शिक्षा निदेशक कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

वेस्ट यूपी में पहले कोहरे ने दी दस्तक: धुंध की आगोश में मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, मेरठ, सहारनपुर और बिजनौर, दृश्यता घटी

दो दिनों की बारिश के बाद बदला मौसम का मिजाज, एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार थमी

मुजफ्फरनगर/ मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों से जारी रिमझिम बारिश और बूंदाबांदी के बाद शनिवार सुबह मौसम ने अचानक अपनी करवट बदल ली। समूचे वेस्ट यूपी में सीजन के पहले कोहरे ने जोरदार दस्तक दी। सुबह होते ही शहरों से लेकर देहात तक चारों ओर कोहरे और घनी धुंध की चादर लिपटी नजर आई। सहारनपुर जनपद में इसका सबसे ज्यादा असर देखा गया, जहां कोहरे के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) घटकर महज 100 मीटर तक रह गई। अचानक छाए इस घने कोहरे के कारण सुबह-सुबह काम पर निकलने वाले लोगों और लंबी दूरी के वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिल्ली-देहरादून हाईवे, मेरठ-पौड़ी हाईवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (EPE) पर दृश्यता बेहद कम होने से गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। दुर्घटनाओं से बचने के लिए वाहन चालक दिन में भी हेडलाइट्स और फॉग लाइट्स जलाकर धीमी गति में रेंगते हुए आगे बढ़ते नजर आए। मेरठ से लेकर बिजनौर तक छाया घना कोहरा

मौसम में आए इस बदलाव का असर वेस्ट यूपी के लगभग सभी जिलों में देखने को मिला। सहारनपुर में सीजन का सबसे घना कोहरा दर्ज किया गया,



जहां 100 मीटर से आगे देखना मुश्किल हो रहा था। मुजफ्फरनगर और शामली जिले के ग्रामीण और बाहरी इलाकों में सुबह की शुरूआत घनी धुंध के साथ हुई, जिससे कृषि कार्य में जुटे किसानों और स्कूली बच्चों को परेशानी उठानी पड़ी। इसी प्रकार मेरठ और बागपत के शहर की ऊंची इमारतों से लेकर हाईवे तक कोहरे का असर रहा। सुबह की वॉक पर निकले लोगों को धुंध का सामना करना पड़ा। इसके अलावा बिजनौर जिले में गंगा के तटीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में नमी अधिक होने की वजह से कोहरे का असर सुबह 8 से 9 बजे तक बना रहा।

बारिश के बाद तापमान में गिरावट, बढ़ी ठिठुरन

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दो दिन पूर्व हुई बेमौसम बारिश के कारण हवा में नमी का स्तर बहुत अधिक बढ़ गया था। रात के तापमान में आई अचानक गिरावट और नमी के संगम से सीजन का यह पहला कोहरा बना है। बारिश और कोहरे के इस मिले-जुले असर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुबह और शाम की ठंड में काफी इजाफा हो गया है। लोगों ने हल्की रजाई और गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में आसमान साफ होने के साथ ही रात के तापमान में और गिरावट आएगी, जिससे गुलाबी ठंड का अहसास और गहरा होगा।

सुलह कराने आए रिश्तेदारों पर किशोर को छत से धक्का देने का आरोप, सिर में आई गंभीर चोट

दहेज का सामान उतारने के दौरान हुई कहासुनी के बाद 17 वर्षीय किशोर को छत से नीचे फेंकने का आरोप

मुजफ्फरनगर। खतौली कस्बे के मोहल्ला इस्लामनगर में पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए हुई पंचायत के दौरान विवाद बढ़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विवाहिता पक्ष के लोगों ने दहेज का सामान उतारते समय छत पर मौजूद 17 वर्षीय किशोर को धक्का दे दिया, जिससे वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। किशोर के सिर में चोट आई है और उसका उपचार फुर्चर अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित के पिता ने विवाहिता पक्ष के लोगों पर बेटे को छत से धक्का देने, पत्नी के साथ मारपीट करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर आठ-दस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खतौली के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी इरफान पुत्र उमर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके बेटे फरमान की शादी शाहपुर कस्बे के मोहल्ला नूरबाफान निवासी तसलीम की बेटी नाजमीन के साथ हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी के बीच आपसी तालमेल नहीं बन पाया और दोनों के बीच विवाद रहने लगा। इसी वजह से उनकी पुत्रवधू ज्यादातर समय अपने मायके में ही रहती थी। परिवार के लोगों के बीच चल रहे विवाद को समाप्त कराने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत और समझौते का प्रयास किया जा रहा था।

तहरीर के अनुसार, 30 अक्टूबर 2026 को विवाहिता पक्ष के करीब आठ-दस लोग इरफान के घर पहुंचे थे। दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने भी हस्तक्षेप किया और आपसी बातचीत के बाद फैसला करा दिया गया। इसके बाद विवाहिता पक्ष के लोग घर की छत से दहेज का सामान उतारने लगे। आरोप है कि इसी दौरान विवाद की स्थिति बन गई और छत पर मौजूद किशोर के साथ घटना हो गई।

छत पर मौजूद 17 वर्षीय किशोर को धक्का देने का आरोप

इरफान ने पुलिस को बताया कि जब विवाहिता पक्ष के लोग छत से दहेज का सामान उतार रहे थे, उस समय उनका 17 वर्षीय बेटा अनवार भी छत पर मौजूद था। आरोप है कि तसलीम पुत्र हलीम, तनवीर पुत्र हलीम, शरिम पुत्र तसलीम और उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने किशोर को छत से धक्का दे दिया। धक्का लगने से किशोर नीचे गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट आई। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजन घायल किशोर को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।

फुर्चर अस्पताल में चल रहा किशोर का उपचार

पिता के अनुसार, छत से गिरने के कारण उनके बेटे के सिर में चोट आई है। उसका उपचार फुर्चर अस्पताल में चल रहा है। किशोर के घायल होने से परिवार के लोग परेशान हैं। परिजनों ने घटना को लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत में घायल किशोर की उम्र 17 वर्ष बताई गई है।

पत्नी के साथ मारपीट और परिवार को धमकी देने का भी आरोप

इरफान ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि विवाहिता पक्ष के लोगों ने उनकी पत्नी के साथ मारपीट की। इसके अलावा घर से जाते समय आरोपियों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार का कहना है कि वह आपसी विवाद को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन समझौते के दौरान ही यह घटना हो गई।नामजद आरोपियों सहित आठ-दस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज घटना के संबंध में इरफान ने 31 अक्टूबर को खतौली थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

आसपा जिला उपाध्यक्ष के साथ सरेआम मारपीट

पीड़ित ने जाम लगाने वाले चार युवकों पर लगाया हमला करने का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग



मोरना ।भोकरहेड़ी में आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बस स्टैंड पर जाम लगाने के मामले की रंजिश में चार युवकों पर घेरकर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड व धारदार हथियारों से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने घायल का उपचार कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी निवासी अंकुर गंगवालिया ने थाने में दी तहरीर में बताया कि वह आजाद समाज पार्टी में जिला उपाध्यक्ष है। बीते वर्ष 14 अगस्त को मोहल्ले के युवक रजनीश उर्फ डोलू के लापता होने की घटना को लेकर कस्बे के बस स्टैंड पर जाम लगाया गया था। इस मामले में पुलिस ने करीब तीन दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पीड़ित के अनुसार जाम के दौरान हंगामा करने का आरोपी एक युवक फिलहाल जमानत पर है और वह मुकदमे के लिए उसे जिम्मेदार मानते हुए रंजिश रखता है।

अंकुर गंगवालिया के अनुसार रविवार को जब वह संत रविदास मंदिर के पास से गुजर रहा था, तभी आरोपी युवक ने अपने तीन साथियों के साथ उसे अचानक घेर लिया। आरोप है कि गाली-गलौज करते हुए आरोपियों ने लाठी-डंडों, लोहे की रॉड, बलकटी व अन्य धारदार हथियारों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे उनके चचेरे भाई गौरव के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने घायल अंकुर गंगवालिया का उपचार कराया। पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।शुक्रताल चौकी इंचार्ज विवेक चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नहर किनारे पॉलीथिन में लिपटा मिला नवजात का भ्रूण



मोरना। क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग में नहर पुल के पास काले रंग की पॉलीथिन में लिपटा नवजात का भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। बच्चों की नजर पॉलीथिन पर पड़ने के बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग में रविवार को नहर बंद होने के चलते कुछ बच्चे नहर में पड़े सिक्के आदि तलाश कर रहे थे। इसी दौरान बच्चों ने नहर किनारे एक बंद काले रंग की पॉलीथिन पड़ी देखी। पॉलीथिन में नवजात का भ्रूण दिखाई देने पर बच्चे घबरा गए और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि नंगला बुजुर्ग नहर पुल के पास नवजात का भ्रूण मिलने की सूचना मिली थी। आवश्यक कार्रवाई करते हुए भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

बैंक से घर लौट रही बुजुर्ग महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर, पैर की हड्डी टूटी

जीटी रोड पर पंजाब नेशनल बैंक के पास हादसे में घायल हुईं कृष्णा देवी, बैगराजपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा उपचार, बेटे की तहरीर पर खतौली पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। खतौली में सड़क पार करने और सड़क किनारे खड़े होने के दौरान वाहन चालकों की लापरवाही बुजुर्गों के लिए खतरा बनती जा रही है। ऐसा ही एक मामला जीटी रोड पर सामने आया है, जहां पंजाब नेशनल बैंक से निजी काम निपटाकर घर लौट रही 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला के एक पैर की हड्डी टूट गई। गंभीर रूप से घायल कृष्णा देवी को परिजनों ने उपचार के लिए बैगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बेटे के अनुसार, मां के घायल होने के बाद वह उनके उपचार में व्यस्त रहा, जिसके चलते तत्काल पुलिस को शिकायत नहीं दे सका। अब पीड़ित बेटे की तहरीर पर खतौली थाना पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बैंक से लौटते समय सड़क पर खड़ी थीं बुजुर्ग महिला

खतौली के तिलक नगर जगत कॉलोनी निवासी राजवीर सिंह पुत्र ओमपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 75 वर्षीय माता कृष्णा देवी पत्नी स्वर्गीय ओमपाल सिंह 16 अक्टूबर 2026 को किसी निजी काम से पंजाब नेशनल बैंक की जीटी रोड शाखा गई थीं। बैंक का काम निपटाने के बाद वह घर लौटने के लिए निकलीं। दोपहर करीब तीन बजे वह सड़क पर खड़ी होकर घर जाने के लिए इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान एक बाइक सवार वहां पहुंचा।

लापरवाही से बाइक चलाकर मारी टक्कर, पैर की हड्डी टूटी

राजवीर सिंह का आरोप है कि बाइक सवार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मां को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कृष्णा देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो



गईं। हादसे में उनके एक पैर की हड्डी टूट गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से परिजनों को सूचना दी गई। घायल महिला को उपचार के लिए बैगराजपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ।

मां के उपचार में जुटा रहा बेटा, अब पुलिस को दी शिकायत

पीड़ित राजवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद वह अपनी मां के उपचार और देखभाल में व्यस्त हो गया था। उनकी प्राथमिकता घायल मां को बेहतर इलाज दिलाना रही। इसी कारण वह तत्काल थाने पहुंचकर शिकायत नहीं दे सका। मां के उपचार के दौरान ही उसने पुलिस कार्रवाई कराने का निर्णय लिया और 31 अक्टूबर को खतौली थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी।

अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

राजवीर सिंह ने अपनी शिकायत में बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस हादसे के संबंध में जानकारी जुटा रही है। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बाइक सवार की पहचान करने का प्रयास किया जा सकता है। बुजुर्ग महिला की हालत को लेकर परिवार परेशान

हादसे में 75 वर्षीय कृष्णा देवी के पैर की हड्डी टूटने के कारण परिवार के लोग परेशान हैं। उनका बैगराजपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। परिजनों को उम्मीद है कि उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार होगा। वहीं, पीड़ित परिवार ने पुलिस से बाइक सवार की पहचान कर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

जानसठ में बस की टक्कर से छात्रा गंभीर घायल: मुजफ्फरनगर अस्पताल में भर्ती, पुलिस के कब्जे में बस

बस ने साइकिल सवार 9वीं की छात्रा को काफी दूर तक घसीटा, हालत गंभीर

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ट्यूशन पढ़कर साइकिल से अपने घर लौट रही 13 वर्षीय स्कूली छात्रा को तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस छात्रा को साइकिल समेत काफी दूरी तक घसीटती हुई ले गई। इस भीषण हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई और उसका एक हाथ बुरी तरह कुचल गया। घायल छात्रा को नाजुक हालत में मुजफ्फरनगर के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

ट्यूशन से लौटते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम वाजिदपुर कवाली निवासी श्यामलाल



सैनी की 13 वर्षीय पुत्री कनीका सैनी कक्षा 9 की छात्रा है। कनीका भाकियू (अराजनैतिक) सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष महक सिंह सैनी की भतीजी है।

रविवार सुबह वह जानसठ कस्बे से ट्यूशन पढ़कर अपनी साइकिल से गांव वापस लौट रही थी। जैसे ही वह पानीपत-खटीमा हाईवे पर गांव वाजिदपुर कवाली कट के पास पहुंची, तभी मुजफ्फरनगर की दिशा से आ रही एक अनियंत्रित प्राइवेट बस ने उसकी साइकिल में सीधी टक्कर मार दी।

जिला अस्पताल से मुजफ्फरनगर आनंद अस्पताल रेफर

दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों व स्थानीय लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल कनीका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जानसठ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्वजनों ने कनीका की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मुजफ्फरनगर के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया है।

बस कब्जे में, आरोपी चालक की तलाश जारी

पुलिस ने हादसे में शामिल बस को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जानसठ कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है। स्वजनों की ओर से तहरीर मिलते ही आरोपी चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानसठ क्षेत्र में आरोग्य मेलों की बयार: 136 मरीजों की जांच कर बांटी दवाएं, मिला मुफ्त परामर्श

सीएचसी प्रभारी डॉ. अर्जुन सिंह की देखरेख में चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर हुआ आयोजन

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। ग्रामीण क्षेत्रों तक सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को जानसठ क्षेत्र के चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) पर 'मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले' का सफल आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जानसठ के प्रभारी डॉ. अर्जुन सिंह की कुशल देखरेख में आयोजित इस मेले में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने कुल 136 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया।

मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की रही अधिकता क्षेत्र के रामराज, मीरापुर, राजपुर कलां और सिखेड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सुबह से ही मरीजों का पहुंचना शुरू हो गया



था। बदलते मौसम के कारण मेले में निमोनिया, एलर्जी, गले में खराश, दमा, खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा देखने को मिली। चिकित्सकों ने सभी मरीजों की गहनता से जांच की और बीमारी के अनुसार आवश्यक दवाएं वितरित कीं। नियमित जांच के साथ परिवार नियोजन और टीकाकरण पर जोर स्वास्थ्य मेले के दौरान स्वास्थ्य संबंधी अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं भी प्रदान की गईः लैब जांचः 26 मरीजों के ब्लड प्रेशर (BP), शुगर और रक्त संबंधी विभिन्न परीक्षण किए गए।

टीकाकरण व बाल स्वास्थ्यः एएनएम (ANM) द्वारा गर्भवती महिलाओं और बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया, वहीं आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं ने बच्चों के वजन की माप कर कुपोषण संबंधी जांच की।

जागरूकता अभियानः महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न उपायों और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया।

ग्रामीण इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना मुख्य लक्ष्यः डॉ. अर्जुन सिंह सीएचसी प्रभारी डॉ. अर्जुन सिंह ने मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का मुख्य ध्येय ग्रामीण अंचल के प्रत्येक व्यक्ति को उनके घर के निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ही उच्च स्तरीय और मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इस मेले को सफल बनाने में डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. नदीम, डॉ. मोहित कुमार, फार्मासिस्ट मरदान, अब्दुल कलीम समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।



ग्वारपाठा में मुनाफा

जलवायु -

यह भारत के आमतौर पर सभी क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसको पानी की आवश्यकता बहुत कम है। अतः यह गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के शुष्क क्षेत्रों में उगाया जा सकता है।

मिट्टी -

इसकी खेती के लिये मोटी रेत वाली दोमट मिट्टी तथा कम उपजाऊ शक्तिशाली और लगभग 8.0 पी.एच. तक की जमीन उपयुक्त है। पानी के निकास का उचित प्रबंध अति आवश्यक है।

भूमि की तैयारी -

1–2 जुताईयाँ 20–30 से.मी. गहराई तक पर्याप्त हैं। जमीन को छोटे–छोटे समतल प्लाटों में बाँट लें।

खाद – 20–25 गाड़ी गोबर की खाद जमीन को तैयार करते समय अच्छी तरह मिला लें। लकड़ी की राख को बीजाई के समय और बाद में पौधों के चारों और डाल दें।

प्रजातियाँ

एलोय बारबेडेंसिस

यह मुख्य प्रजाति है जो अधिकतर क्षेत्रों में पायी जाती है।

एलोय इन्डिका

चेन्नई से रामेश्वरम क्षेत्र में पाई जाती हैं इसे छोटा ग्वारपाठा भी कहते हैं। आकार में 6–7 इंच से 1 फुट लम्बे तथा किनारे नुकीले होते हैं। बुखार आदि में उत्तम है।

एलोय रूपेसेन्स

लाल ग्वारपाठा के नाम से भी जानते हैं। नारंगी और लाल रंग के फूल आते हैं। पत्तों का नीचे का भाग बैंगनी रंग का होता है। इसका उपयोग पाचक के रूप में उदरशूल, आन्तों के कीड़ों के इलाज के लिये भी करते हैं।

जाफराबादी ग्वारपाठा

सौराष्ट्र के समुद्र तट के क्षेत्र में पाया जाता है। पत्ते तलवार के आकार के सफेद धब्बे होते हैं।

एलोय एबिसिनिका

काठियाबाड़ व खंबात की खाड़ी क्षेत्र में मिलता है। पत्ते अधिक चौड़े व पुष्प दण्ड अधिक लम्बा होता है।

एलोय फीरोक्स



अफ्रीकी प्रजाति है। पौधा बहुत ऊँचा (9 से 10 फुट) तथा मोटी पत्तियों से युक्त होता है। इसके श्वेताभ पुष्पों से युक्त पुष्पदण्ड निकलता है।

बिजाई का समय -

इसकी बिजाई सिंचित क्षेत्रों में सर्दी के महीनों को छोड़कर सारा वर्ष की जा सकती है। परंतु अच्छी पैदावार के लिये इसकी बिजाई जुलाई–अगस्त के महीनों में करें।

बिजाई का तरीका

तीन से चार महीनों के सकर चार–पांच पत्तों वाले लगभग 20–25 से.मी. लम्बाई 60×60 से.मी. की दूरी पर लगाने चाहिये। सकर के चारों तरफ जमीन को अच्छी तरह से दबा दें। 12,000 से 14,000 सकर एक एकड़ जमीन के लिये पर्याप्त हैं।

अंतरवर्तीय फसलें

आँवला, गुग्गल, बेल या फलदार वृक्ष जैसे आम, नींबू, अनार, संतरा, किन्नो के मध्य अन्तर फसल के रूप में उगाने से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सिंचाई

पहली सिंचाई बिजाई के तुरंत बाद लगायें। 2 से 3 सिंचाई जल्दी–जल्दी दें ताकि सकर अच्छी तरह से स्थापित हो जाये। 4–6 सिंचाइयाँ हर वर्ष दें।

निराई-गुड़ाई

बिजाई के एक मास बाद पहली गुड़ाई करें। 2–3 गुड़ाइयाँ प्रति वर्ष बाद में करें। खरपतवार बिल्कुल नहीं होने चाहिये। बीमारी वाले तथा सूखे पौधों को निकाल दें।

बीमारी व कीड़ें

अभी कोई बीमारी व कीड़ों का प्रकोप इस फसल पर नहीं पाया गया। कभी दीमक लग जाती है तथा छोटे कीट (मिली बग) आ जाते हैं। इसको रोकने के लिये हल्की सिंचाई करें।

कटाई

पौधे लगाने के एक वर्ष बाद हर तीन माह में प्रत्येक पौधे पर 3–4 छोटी पत्तियाँ छोड़कर शेष सभी पत्तियों को तेज धारदार हंसिये से काट लें। पत्तों की पैदावार एक बार लगाने से 5 वर्ष तक प्राप्त कर सकते हैं।

बाजार भाव

इसके ताजा पत्ते 2–3 रुपये किलो बिकते हैं। विदेशों में एलुआसार और जैल की बहुत माँग है। ठीक इसी तरह हमारे देश में भी निरन्तर माँग बढ़ती जा रही है।

पैदावार

औसतन 150–200 क्विंटल प्रति एकड़ ताजे पत्ते 2 वर्ष बाद की फसल से प्राप्त होते हैं, लेकिन अच्छी भांति देखभाल व सिंचाई पूर्ण रूप से हो तब उपजाऊ मिट्टी से 200 से 250 क्विंटल ताजा पत्ते प्रति एकड़ तक प्राप्त कर सकते हैं।

आमदनी

एक एकड़ से 150 क्विंटल ताजा पत्तियां 2 रुपये किलो कम से कम भी लगायें तो 30,000 रुपये की बिकीं जिसमें से कुल खर्चे के 6 से 8 हजार रुपये प्रति एकड़ निकालकर शुद्ध मुनाफा 20 से 22 हजार रुपये कमाया जा सकता है।



कम लागत में लगायें मसूर



भूमि का चुनाव एवं तैयारी

मसूर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। किन्तु दोमट और भारी भूमि इसके लिये अधिक उपयुक्त है। भूमि का पी.एच. मान 6.5 से 7.0 के बीच होना चाहये तथा जल निकास का अच्छा प्रबंध होना चाहये। खाली खेतों में 3-4 जुताई कर खेत अच्छी तरह तैयार करें एवं खरीफ के खेत खाली होने के बाद 2-3 जुताई कर पाटा चलायें जिससे नमी संचित हो सके। खरपतवार होने पर उन्हें निकाल दें ।

जलवायु

इसकी वानस्पतिक वृद्धि के लिये ठंडी जलवायु तथा पकते समय गर्म वातावरण की आवश्यकता होती है। 20 से 30 डिग्री से तापक्रम में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

बीज एवं बीजोपचार

मसूर की समय से बुआई के लिये 16-24 किलो बीज प्रति एकड़ में लगता है। देर से बुआई करने पर बीज की मात्रा बढ़ा दें। बीज को प्रारंभिक अवस्था में फफूंद जनित रोगों से बचाने के लिये बुआई के पूर्व थायरम/कार्बेन्डाजिम 2:1 की 3 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीज उपचारित करें। इसके बाद राइयजोबियम तथा पी.एस.बी. कल्चर प्रत्येक की 5 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीज उपचारित करें ।

बुआई का समय एवं तरीका

अक्टूबर के मध्य बुआई के लिए उपयुक्त समय है । बुआई में देरी होना उपज में कमी लाती है। 15 नवम्बर तक का समय मसूर फसल की बुआई देरी की अवस्था में की जा सकती है। मसूर की कतार से कतार की दूरी 25-30 से.मी. एवं 5-7 से.मी. गहरा बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

खेत तैयार करते समय गोबर खाद या कम्पोस्ट 2-2.5 टन प्रति एकड़ डालें। मसूर की फसल ज्यादातर असिंचित क्षेत्रों में ली जाती है। जिसमें 6-8 किलो नत्रजन 16-20 किलो स्फुर तथा 6-8 किलो गंधक प्रति एकड़ के मान से दें। सिंचित अवस्था में 10 किलो नत्रजन और 20 किलो फास्फोरस प्रति एकड़ के हिसाब से देना चाहिए । अच्छी पैदावार के लिए 6-8 किलो गंधक देना उपयुक्त है। भूमि में पोटाश की कमी हो तो 8-10 कि.ग्रा. पोटाश प्रति एकड़ देना चाहिये।

सिंचाई

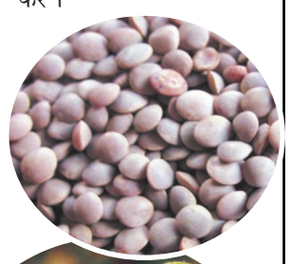
सामान्यतः मसूर असिंचित क्षेत्रों में ली जाती है। परन्तु सिंचाई उपलब्ध होने पर पलेवा देकर बुवाई करना चाहिये। इससे अंकुरण अच्छा होता है। सामान्यतः बाद में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। सिंचाई उपलब्ध होने पर फूल आने के पूर्व हल्की सिंचाई करना चाहिये। इससे भरपूर पैदावार ली जा सकती है।

खरपतवार प्रबंधन

मसूर की फसल में 50 दिनों तक खरपतवारों को नियंत्रित रखना चाहिये। खेत में नींदा उगने पर हेन्ड हो या डोरा चलाना चाहिये, इससे खरपतवार नियंत्रण होगा तथा वायुसंचार के लिये गुड़ाई भी हो जाती है। रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिये बुवाई पूर्व फ्लूक्लोरोलिन 300 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

कटाई-गहाई एवं भंडारण

फसल को पूर्ण रूप से पक जाने पर उसकी कटाई करें एवं कटाई पश्चात गहाई कर बीजों को सुखाकर बोरों या बण्डों में 0.05 मेलोथियॉन का घोल छिड़ककर सूखने पर भण्डारण करें ।





पौध संरक्षण

कीट – मसूर में माहो, थ्रिप्स तथा फली छेदक इल्ली कीटों का प्रकोप होता है। माहो एवं थ्रिप्स के नियंत्रण के लिये मोनोक्रोटोफॉस एक मि.ली. या आक्सीडेमेटान मिथाइल 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फल छेदक इल्ली के लिये क्विनालफास एक मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करने से कीट नियंत्रित हो जाते हैं। खेत में छिड़काव एक समान होना चाहिये।

बीमारियां – मसूर में मुख्य रुप से उकटा तथा गेरुआ रोगों का प्रकोप रहता है। उकटा रोग की उग्रता को कम करने के लये थायरम 3 ग्राम या 1–5 ग्राम थायरम /1.5 ग्राम कार्बोन्डाइजिम का मिश्रण प्रति किलो बीज को उपचारित करके बोयें। उकटा निरोधक जाति जैसे जे.एल.–3 आदि बोयें। कभी–कभी गेरुआ रोग का भी प्रकोप होता है। इसके नियंत्रण के लिये डायथेन एम 45, 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर खड़ी फसल में छिड़काव करना चाहये। गेरुआ प्रभावित क्षेत्रों में एल. 4076 आदि गेरुआ निरोधक जातियां बोयें।

दलहन में प्रमुख चना लगायें



खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों सितंबर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार–बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर दें व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें अथवा पलेवा लगाकर बुवाई करें।

उर्वरकों का उपयोग

मिट्टी परीक्षण की संस्तुति के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें सामान्य तौर पर दलहनी फसल होने के कारण चने को 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 50 किलो फास्फोरस तथा 25 किलो पोटाश व 20 किलो सल्फर यदि फास्फोरस की आपूर्ति सुपर फास्फेट से न की गई हो। सल्फर की आपूर्ति के लिये जिप्सम का उपयोग करें। सिंचित अवस्था में जबकि असिंचित अवस्था में 10–12 कि.ग्रा. नत्रजन व 30 क्रि.ग्रा. फॉस्फोरस, 10–12 किलो सल्फर की आवश्यकता होती है। अंतिम जुताई से पूर्व 2–3 कि.ग्रा. पीएसबी कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

बीज दर

देशी चने की 85 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे.के मान से उपयोग करें ताकि एक वर्ग मी. क्षेत्र में 25–30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी. रखे।

बीजोपचार

बीज की मृदा जनित फफूंदियों से सुरक्षा हेतु बोनी से पूर्व बीजोपचार आवश्यक है अतः थायरम या मेन्कोजेब की तीन ग्राम मात्रा अथवा कार्बेन्डाजिम या कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा +1 ग्राम थायरम द्वारा प्रति किग्रा. की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के पश्चात् 5 ग्राम राइजोबियम व 5 ग्राम पीएसवी से बीज को निवेशित करें। राइजोबियम जीवाणु पौधों में जड़ ग्रंथियों की संख्या बढ़ाने में सहायक होते हैं जिससे भूमि में लगभग 200 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हे. वायुमंडल से स्थिर की जाती है तथा पीएसबी कल्चर जमीन में स्थिर स्फुर को घुलनशील अवस्था में लाकर पौधों को उपलब्ध करवाता है।

उन्नतशील प्रजातियां

बीज फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान है। अतः स्वस्थ, सुडौल, रोगरहित प्रजातियों का बीज बुवाई हेतु उपयोग लें।

किस्म- जे.जी. 315, जवाहर चना 218, जे.जी. 130, जे.जी. 412, जे.जी. 16,जे.जी. 11, जे.जी. 74, आईसीसीव्ही.10 (विजय), भारती, जे.के.जी. 1

शीर्ष शाखाएं तोड़ना

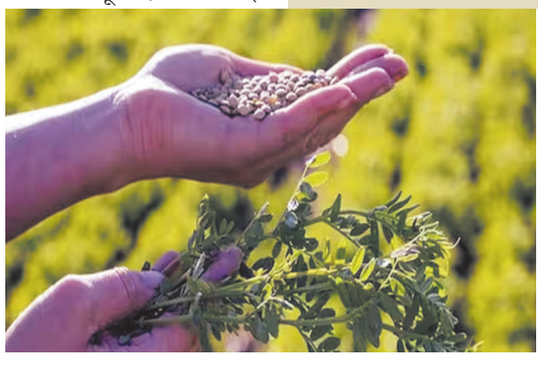
निंदाई करने के बाद जब चना के पौधे लगभग 20–25 से.मी. है। अथवा फूल अवस्था से पूर्व शाखायें अधिक निकलती हैं। जिससे उपज में वृद्धि होती है। असिंचित अवस्था में शीर्ष शाखायें नहीं तोड़ें।

सिंचाई

बुवाई से पूर्व खेत में भली–भांति यह तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45–60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई करें।

कटाई, गहाई व उपज

कटाई परिपक्व अवस्था में आने पर फलियां सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियां झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करें। फसल की कटाई कर 2–3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात गहाई उपज करें। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 15–20 क्विंटल किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। भण्डारण दानों को भली–भांति सुखाकर 8–10 प्रतिशत नमी पर भण्डारित करें।



जनपद न्यायाधीश ने विधिवत् रूप से किया शुभारंभ



गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में समाज के सभी वर्गों को न्याय एवं समान अवसर उपलब्ध कराने तथा पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आज दीवानी न्यायालय परिसर, सूरजपुर में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका मा0 जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव द्वारा रिबन काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश भी दिया गया।

शासन की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर में जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्य कर्मों से संबंधित विभागों के द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं मुख्य विकास अधिकारी ने प्रोबेशन विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, समाज कल्याण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि विभाग, जल शक्ति विभाग (नगरीय एवं ग्रामीण), पंचायती राज विभाग, स्वच्छ भारत मिशन-2, विभिन्न बैंकिंग योजनाओं, नेडा, जिला उद्योग केंद्र, कौशल विकास मिशन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, श्रम विभाग, चिकित्सा विभाग, वन विभाग, पूर्ति विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा नगरीय विकास विभाग (डूडा) सहित अन्य विभागों के स्टॉल का अवलोकन किया तथा विभागीय अधिकारियों से संचालित योजनाओं एवं लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। स्टॉल के माध्यम से आमजन को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं उनसे मिलने वाले लाभ के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिससे एक ही परिसर में विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, विधिक जागरूकता तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने का संदेश दिया गया। वहीं, विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से जनसामान्य को शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस प्रकार शिविर के माध्यम से विधिक जागरूकता के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया गया।

इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश एवं मुख्य विकास अधिकारी ने अपने उद्बोधन में विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पात्र, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। शासन एवं प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी अथवा संसाधनों के अभाव में जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

शिविर में पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इस प्रकार शिविर के माध्यम से विधिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल कल्याण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को एक मंच पर समाहित करते हुए जनसेवा की भावना को साकार किया गया। इस पहल से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, विभागीय समन्वय को मजबूत करने तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में प्रयास किया गया। आयोजित मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के माध्यम से लगभग 300 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

यूपी चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने कसी कमर, ग्रेटर नोएडा मंडल बैठक में बनी रणनीति

नोएडा। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसी सिलसिले में रविवार के दिन स्वर्ण नगरी में बने भाजपा के ग्रेटर नोएडा मंडल कार्यालय के अंदर नवंबर महीने की मासिक संगठनात्मक बैठक रखी गई। इस बैठक के दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता को और अधिक बढ़ाने तथा आगामी चुनाव की रणनीति तैयार करने पर विस्तार से बातचीत की गई।

आयोजित की गई इस संगठनात्मक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा पहुंचे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर दादरी विधानसभा प्रभारी गोपाल अग्रवाल और जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी भी उपस्थित रहे। वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी ने संभाली। बैठक के दौरान सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच संपर्क बढ़ाने पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा का कार्यकर्ताओं को आह्वान: बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने वहां मौजूद सभी बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों, मंडल के पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से अपनी-अपनी संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों का बिगुल बज चुका है। ऐसे में हर एक कार्यकर्ता को अभी से अपना लक्ष्य तय करके पूरी मेहनत और लगन के साथ काम में जुट जाना होगा।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने आगे कहा कि किसी भी संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता, उसकी मजबूत बूथ संरचना और आम जनता के साथ लगातार बना रहने वाला संपर्क ही होता है। उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी से एकजुट होकर प्रयास करने और निरंतर जनसंपर्क बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की रणनीति: बैठक में मौजूद दादरी विधानसभा प्रभारी गोपाल अग्रवाल और जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी ने भी अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक असरदार बनाने, बूथ समितियों को हमेशा सक्रिय रखने और केंद्र सरकार के साथ-साथ प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने की बात कही।

वहीं कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी ने बैठक में आए सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा मंडल संगठन की सभी उम्मीदों के हिसाब से पूरी निष्ठा, मेहनत और अनुशासन के साथ काम करेगा। इसके साथ ही उन्होंने हर एक बूथ को संगठन की एक मजबूत नींव बनाने और कार्यकर्ताओं के बीच लगातार बातचीत व तालमेल बनाए रखने का संकल्प लिया।

बैठक में ये पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद: इस महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक के दौरान मंडल महामंत्री रवि श्रीवास्तव और मीडिया एक्जीक्यूटिव भगवत प्रसाद शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके अलावा बैठक में मंडल के अन्य पदाधिकारी, विभिन्न बूथों के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक और कई वरिष्ठ कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

दिवाली की सजावट के लिए बाजारों में उमड़ी भीड़, आर्टिफिशियल फूलों की बढ़ी मांग

नोएडा। दीवाली का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। घरों को सजाने और रोशन करने के लिए लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी है। बाजारों में रंग-बिरंगी लाइटों, आर्टिफिशियल फूलों, सजावटी तोरण, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, मिट्टी के दीयों और आकर्षक मोमबत्तियों की दुकानें सजी हुई है।

इस बार शहर के बाजारों में आर्टिफिशियल फूलों की मांग भी बढ़ी है। दुकानदारों के अनुसार, लोग ऐसे फूलों को अधिक पसंद कर रहे हैं, जिनसे घर की सजावट लंबे समय तक बनी रहे। रविवार को शहर के बाजारों में लोग सामग्रियों की खरीदारी करते नजर आए। सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट, भंगेल मार्केट, सेक्टर-59 मामूरा मार्केट और सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट समेत शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। बाजारों में दिवाली की सजावट के लिए 70 से 80 प्रकार के आर्टिफिशियल फूल और फ्यावर आकर्षण का केंद्र बने हुए है, जिन्हे ग्राहक अधिक पसंद कर रहे है। इनमें गुलाब, गेंदा और ऑर्किड समेत कई तरह के फूल शामिल हैं। फूलों की लड़ियां, गुलदस्ते, दीवारों पर लगाने वाली सजावट और दरवाजों के लिए तोरण लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। साथ ही मंदिर सजाने के लिए भी लोग इनकी खरीदारी कर रहे हैं।

सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट में फूलों के दुकानदार मदन ने बताया कि इस बार आर्टिफिशियल फूलों की मांग पिछले एक दो सालों में ज्यादा बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह इनका टिकाऊ होना और कम खर्च में लेंब समय तक सजावट बनाए रखना है। असली फूल दो-तीन दिन में मुरझा जाते हैं, जबकि आर्टिफिशियल फूल कई दिनों तक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इससे लोगों को बार-बार फूल खरीदने का खर्च भी बचता है।

सजावटी लाइटों की बढ़ी मांग: दीवाली पर घरों को रोशन करने के लिए शहर के बाजारों में 15 से अधिक प्रकार की सजावटी लाइटों की खरीदारी हो रही है। दुकानदारों के अनुसार मोमबत्ती जैसी दिखने वाली लाइटों की लड़ियों की मांग सबसे ज्यादा बताई जा रही है। दुकानदार सुधीर कुमार ने बताया कि पिछले 20 साल से उनका परिवार इसी कारोबार में जुड़ा हुआ है। इस बार ग्राहक लाइट खरीदने से पहले उसकी चमक और गुणवत्ता जांच रहे हैं। मोमबत्ती जैसी लड़ी ज्यादा चमकदार और टिकाऊ होने के कारण लोगों को कई वर्षों से पसंद आ रही है, और सबसे ज्यादा खरीदारी भी इन्हीं लाइटों की होती है। इसकी कीमत 80 से 100 रुपये तक बताई जा रही है, जो पिछले वर्ष 70 से 90 रुपये तक थी। दुकानदारों के अनुसार पिछले एक सप्ताह से दुकानों पर ग्राहकों की संख्या बढ़ी है।

आपका अनुपयोगी सामान किसी के लिए हो सकता है बेहद उपयोगी

सेंचुरी अपार्टमेंट में दो दिवसीय अभियान को मिला शानदार समर्थन, जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई जाएंगी खुशियां

नोएडा। किसी के घर में अनुपयोगी पड़ा पुराना सामान किसी दूसरे परिवार के लिए बड़ी जरूरत और खुशियों का कारण बन सकता है। इसी सोच को साकार करते हुए सेंचुरी अपार्टमेंट, सेक्टर-100 में सामाजिक कार्यकर्ता पवन यादव द्वारा दो दिवसीय विशेष जनसेवा अभियान चलाया गया।

अभियान का उद्देश्य लोगों को प्रेरित करना था कि वे अपने घरों में रखे ऐसे पुराने कपड़े, चादरें, जूते-चप्पल, साइकिल, खिलौने, कुर्सियां, मेज, इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंडक्शन सहित अन्य उपयोगी वस्तुएं, जो अब उनके काम नहीं आ रही हैं, उन्हें फेंकने या कबाड़ में देने के बजाय जरूरतमंद लोगों को दान करें।

इस नेक पहल को सोसायटी के निवासियों का शानदार समर्थन मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक अपने घरों से कपड़े, खिलौने, साइकिल, कुर्सी-मेज, जूते-चप्पल, इंडक्शन सहित अनेक उपयोगी वस्तुएं भेंट कीं। वहीं जरूरतमंद परिवारों ने भी आकर अपनी आवश्यकता के अनुसार सामान प्राप्त किया।



अभियान के अगले चरण में एकत्रित शेष सामान को शहर के लेबर चौक एवं आसपास रहने वाले मजदूर परिवारों तक पहुंचाकर वितरित किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद परिवार इसका लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर पवन यादव ने कहा कि आपका पुराना कपड़ा किसी जरूरतमंद को आने वाली सर्दी में राहत दे सकता है, आपके बच्चों के पुराने खिलौने किसी मजदूर के बच्चे के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं और आपकी अनुपयोगी साइकिल किसी बच्चे के स्कूल जाने का सहारा बन सकती है।

उन्होंने कहा कि समाज में बहुत सी ऐसी वस्तुएं हैं जो एक परिवार के लिए अनुपयोगी हो चुकी हैं, लेकिन दूसरे परिवार के लिए बेहद मूल्यवान हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपनी सोच बदलें और संसाधनों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का माध्यम बनें। उल्लेखनीय है कि पवन यादव पिछले लगभग 12 वर्षों से इस प्रकार के सामाजिक सेवा अभियान चलाकर लोगों के घरों से उपयोगी अनुपयोगी सामान एकत्रित कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

इस अभियान ने एक बार फिर साबित किया कि समाज में बदलाव लाने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि छोटी-छोटी अच्छी सोच और सामूहिक सहयोग की जरूरत होती है।

संदेश स्पष्ट है—जो सामान आपके लिए अनुपयोगी है, उसे किसी जरूरतमंद के लिए उपयोगी बनाइए। सामान नहीं, खुशियां बांटिए।

वोट बचाओ देश बचाओ रैली में नोएडा से शामिल हुए सैकड़ों कांग्रेसी





नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में दिल्ली रामलीला मैदान में राहुल गांधी द्वारा आव्हान की गई वोट बचाओ देश बचाओ रैली में शामिल होने के लिए सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। नोएडा से महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा 5 बसों एवं 35 निजी वाहनों द्वारा 500 से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। शामिल पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, एआईसीसी पुरुषोत्तम नागर, पवन शर्मा, सतेंद्र शर्मा, दिनेश अवाना, शहाबुद्दीन, लियाकत चौधरी, यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, एस एस सिसोदिया, राहुल पाण्डेय, कैप्टन पी एस रावत, डॉ सीमा, शिवानी पवार, वसीम खान, सतीश पांचाल, ऊषा श्रीवास्तव सहित कई अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

मुजफ्फरनगर का 50 हजार का इनामी शूटर नोएडा पुलिस मुठभेड़ में ढेर, दो पुलिसकर्मी घायल, राणदीप भाटी गैंग से था जुड़ाव

नोएडा। नोएडा में पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी शूटर अमन त्यागी उर्फ माया त्यागी मारा गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हुए अमन को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान दो पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, थाना बादलपुर क्षेत्र में दर्ज मुकदमा संख्या 306/2026 में अमन त्यागी वांछित चल रहा था। पुलिस को उसकी गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद उसकी तलाश की जा रही थी। चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार, बाइक सवार ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में अमन को गोली लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश: डीसीपी सेंट्रल नोएडा प्रीति यादव के मुताबिक, एसओजी और सेक्टर-126 थाना पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार संदिग्ध को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ के बाद मौके से एक पिस्टल, खोखा कारतूस और बाइक बरामद की गई है। फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

रणदीप भाटी गैंग का शार्प शूटर था अमन: पुलिस के मुताबिक, अमन त्यागी कुख्यात राणदीप भाटी गैंग का शार्प शूटर था। उसने मुजफ्फरनगर सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में हत्या और अन्य संगीन वारदातों को अंजाम दिया था। बताया जाता है कि अमन पहले रोबिन त्यागी के साथ गैंग में सक्रिय था। बाद में रोबिन की राणदीप भाटी से दोस्ती होने के बाद अमन भी राणदीप के संपर्क में आया और कई साल तक उसके गैंग के लिए काम करता रहा।

पुलिस के अनुसार, अमन सुपारी लेकर हत्या की वारदातों को अंजाम देने में माहिर था। वह सामान्य लूटपाट करने के बजाय गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से हत्याओं को अंजाम देता था। ग्रेटर नोएडा में देवेंद्र भाटी और जुनपत गांव निवासी ठेकेदार की हत्या के अलावा जुनपत में राजकुमार शर्मा और उनके गनर की हत्या में भी उसकी भूमिका बताई गई है।

गौतमबुद्धनगर में यातायात माह-2026 की शुरुआत, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

नोएडा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के मकसद से गौतमबुद्धनगर में रविवार को यातायात माह-2026 का विधिवत शुभारंभ किया गया। सेक्टर-108 में स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) अजय कुमार ने दीप प्रज्वलित करके किया। उद्घाटन समारोह के बाद उन्होंने यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पूरा कार्यक्रम पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के मार्गदर्शन और निर्देशन में आयोजित किया गया था।

अपर पुलिस आयुक्त अजय कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए यातायात के नियमों की पूरी जानकारी होना और उनका ईमानदारी से पालन करना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस पूरे महीने के दौरान यातायात पुलिस, प्रवर्तन विभाग, ट्रैफिक वॉलंटियर्स, ट्रैफिक एंजेल्स और विभिन्न सामाजिक संगठनों की मदद से एक बड़ा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे 'स्मार्ट बनें-सुरक्षा चुनें' के संदेश को अपने जीवन में अपनाएं और सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का पालन करें।

कार्यक्रम के दौरान ट्रैक्स एनजीओ, वाईएसएस एनजीओ और भूख एनजीओ के साथ-साथ एनआईईटी कॉलेज, एपीजे स्कूल और विवेकानंद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इन बच्चों और युवाओं ने नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' का संदेश दिया। इस खास मौके पर ट्रैक्स एनजीओ के सहयोग से महिलाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए 'रोड सखी' अभियान का भी विमोचन किया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम स्थल पर यातायात से जुड़े कई आधुनिक उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में लोगों को स्पीड रडार, डेसीबल मीटर और बॉडी वार्न कैमरा जैसे आधुनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-108 से यातायात जागरूकता रैली को रवाना किया गया। यह रैली शहर के कई प्रमुख इलाकों से होकर गुजरी। रैली सेक्टर-105, हाजीपुर चौक, सेक्टर-47, सेक्टर-100, सेक्टर-107, सेक्टर-46, सेक्टर-48 और डीएससी मार्ग से होते हुए आगे बढ़ी। इसके बाद रैली छलैरा, सेक्टर-37, बॉटनिकल गार्डन, सेक्टर-18 मार्केट, रजनीगंधा चौक, नया बांस, सेक्टर-15 गोलचक्कर और सेक्टर-15ए से गुजरते हुए अंत में सेक्टर-14ए में जाकर पूरी तरह समाप्त हुई।

गौतमबुद्धनगर में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कई पुलिस अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मौके पर डीसीपी यातायात सैयद अली अब्बास, डीसीपी नोएडा जोन प्रीति यादव, डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह और डीसीपी लाइन शैलेंद्र कुमार सिंह उपस्थित थे। इनके अलावा एडीसीपी यातायात मनीषा सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार मिश्रा भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

सैक्टर 34 में नरविहार 1 आरडब्ल्यूए के चुनाव में एकतरफा जीता कर्नल अतुल सरीन का पूरा पैनल

नोएडा। रविवार 1 नवंबर को नरविहार 1 सैक्टर 34 नोएडा में आरडब्ल्यूए के चुनाव संपन्न हुए जिसमें कर्नल अतुल सरीन का सम्पूर्ण पैनल विजयी हुआ। विजयी पैनल में अध्यक्ष अतुल सरीन, उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष अनीश आज़मी, सचिव कर्नल अनिल शाह एवं चार विजयी एक्जिक्यूटिव सदस्यों में कर्नल मनोज पांडेय, कर्नल अतुल गुप्ता, विनय नंदराज जोग एवं पुनीत जैन विजयी हुए। नई मैनेजमेंट कमेटी ने वर्ष 2026-27 के लिए कर्नल एस पाठक को नया चीफ पेट्रोन नियुक्त किया।

आज के चुनाव चीफ पेट्रोन कर्नल आर एन श्रीवास्तव की देख रेख में सम्पन्न हुए। कर्नल श्रीवास्तव ने चुनाव परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि कुल 120 वोटों में से 86 वोटर ने अपने मत का प्रयोग किया।



अध्यक्ष पद पर विजयी प्रत्याशी को 61 वोट, उपाध्यक्ष पद पर विजयी प्रत्याशी को 59 वोट एवं सचिव पद पर विजयी प्रत्याशी को 58 वोट प्राप्त हुए।

नवनियुक्त अध्यक्ष अतुल सरीन ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि नरविहार 1 की वेलफेयर के लिए उनकी टीम को जिम्मेदारी दी है उसको अपनी टीम के साथ पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने पूर्व आरडब्ल्यूए कमेटी का भी धन्यवाद किया और उनसे नरविहार 1 की वेलफेयर के लिए सहयोग भी मांगा। नवनियुक्त सचिव अनिल शाह ने भी सभी निवासियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वो सचिव पद का पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वाह करूंगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

छठ पूजा को लेकर हुई प्रवासी संघ की बैठक



नोएडा। छठ पूजा की तैयारियों के लिए प्रवासी संघ की महत्वपूर्ण बैठक सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 में अध्यक्ष आलोक वत्स की अनुपस्थिति में उनके निर्देशन के साथ कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में छठ महापर्व को धूमधाम से मनाने की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं जिन कार्यकर्ताओं को पिछली बैठक में जो कार्य दिए गए थे उनसे कार्य की स्थिति का जायजा लिया गया एवं कार्य को पूर्ण निष्ठा के साथ करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रवासी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया जी ने बताया कि छठ पूजा की तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं एवं जो थोड़ा बहुत शेष है वह भी शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा,

बैठक में सांसद प्रतिनिधि संजय बाली जी ने नोएडा में छठ आयोजन की शुरुआत केसे हुई एवं तबसे आज तक छठ आयोजन में क्या क्या परेशानियां आईं से लेकर आज कैसे मनाते हैं के बारे मे बताया, प्रवासी संघ के महासचिव अवधेश राय ने कहा कि हमारे कार्यक्रम में गीत संगीत एवं नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ चिकित्सा का कार्य करती है इसी के साथ राय जी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे मन से करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया एवं पूर्व वर्षों की भांति महापर्व को पूरी श्रद्धा एवं निष्ठा के साथ मनाने पर जोर दिया, संघ के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण से किये जाने वाले सभी आवश्यक कागजी कार्यवाही पूरी कर ली गई है एवं प्राधिकरण द्वारा छठ घाट जो कि 150 फीट लंबा और 60 फिट चौड़ा बनाने का लक्ष्य रखा गया है वह समय से बना दिया जाएगा ऐसा आश्वासन नोएडा प्राधिकरण से दिया गया है इसके अतिरिक्त तिवारी जी ने बताया कि छठ घाट पर 8 स्थान महिलाओ के वस्त्र बदलने के लिए स्थान बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त पिछली बैठक में विभिन्न प्रभागों के लिए टीम का गठन किया था जैसे घाट की सुरक्षा, आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए टीम एवं अतिथियों को निमंत्रित करने के लिये अलग टीम उन टीमों से कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि संघ का प्रत्येक सदस्य पूरे मनोयोग से छठ आयोजन को सफल बनाने के लिए लगना होगा तभी पूजा सुचारू ढंग से सम्पन्न हो सकेगी।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया जी महासचिव अवधेश राय, सतपाल यादव, विकास तिवारी,मिथिलेश राय, अभिनव पाण्डेय, अनुज त्रिपाठी , अखिलेश सिंह,ठाकुर प्रसाद त्रिपाठी, विकास कुमार, सनम यादव, श्रवण तिवारी, नवीन पोरवाल, सत्य रंजन सिंह, सूर्य श्वद्धठुल्हह कुमार, रंजीत गुप्ता संतोष कुमार, समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आज देश के संविधान और हमारे मताधिकार को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं राहुल गांधी : पुरुषोत्तम नागर



नोएडा। 1 नवम्बर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित वोट बचाओ देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए, एआईसीसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। एआईसीसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि आज देश के संविधान को, हमारे मताधिकार को अगर बचाने का काम कोई कर रहा है तो वो हमारे नेता राहुल गांधी हैं, आज पूरा देश राहुल गांधी की तरफ देख रहा है। पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि पुलिस द्वारा हमारे कार्यकर्ताओं को रैली में जाने से रोका गया है। ये लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है अपनी बात कहने और सुनने का अधिकार हमें संविधान ने दिया है, हम पुलिस के दम पर न तो रुकेंगे ना ही डरेंगे। राहुल गांधी जी की आवाज को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

रैली में शामिल होने के लिए महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, एआईसीसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर, सतेन्द्र शर्मा, लियाकत चौधरी, यतेन्द्र शर्मा, लाला गुर्जर, विक्रम चौधरी, पवन शर्मा, राहुल पांडेय, कैप्टन पीएस रावत, डॉ सीमा,, सूरज धामा, राहुल नागर, धर्मेन्द्र पासवान, जगपाल चौहान, पंकज बेनीवाल आदि सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे।

महिला से छेड़छाड़ का प्रयास, पति-देवर को पीटा

नोएडा। सदरपुर गांव में सीढ़ियों पर महिला का रास्ता रोककर छेड़छाड़ करने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर चार युवकों ने महिला के पति और देवर के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। आरोपियों ने जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सदरपुर गांव निवासी महिला शनिवार को अपने पति के साथ मकान की छत पर पूजा करने गई थी। पूजा के बाद दोनों सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान भवन में किराये पर रहने वाले मोनू, मच्छर, आयुष और अनूप ने उनका रास्ता रोक लिया।

आरोप है कि चारों ने महिला पर अभद्र टिप्पणियां कीं और छेड़छाड़ करने लगे। पीछे चल रहे आशीष ने इसका विरोध किया तो आरोपी उनसे उलझ गए और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर महिला के देवर भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आशीष को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

पार्क वॉकर्स ने मालाबार गोल्ड एंड डायमंड के सहयोग से चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान



नोएडा। सेक्टर-34 स्थित बी-4 पार्क में रविवार को पार्क वॉकर्स ने मालाबार गोल्ड एंड डायमंड के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क परिसर की साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में पार्क में सैर करने वाले निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान धर्मेन्द्र शर्मा, संजीव महतो,किशोर सक्सेना, विष्णु शंकर पांडेय, संतराज सिंह, अजय रस्तोगी, सुखबीर नौटियाल,विक्रम सिंह, कुंवर रियासत अली, विजय लखचौरा,राजू अवस्थी जितेंद्र कुमार मोहित पुंडीर गजेंद्र कुलश्रेष्ठ तथा मालाबार गोल्ड एंड डायमंड से स्टोर हेड शीरीन स्टोर प्रबंधक निखिल लोहिया अली अकबर बृजेश गौतम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बकाया जमा नहीं करने पर उत्तम स्टील्स के डायरेक्टर गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में 77 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक का बकाया जमा नहीं करने पर अंसल हाईटेक टाउनशिप और उत्तम स्टील्स एसोसिएट्स लिमिटेड के डायरेक्टर बंटी को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर दादरी तहसील प्रशासन ने की।

पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने बंटी को पकड़ा। कंपनी पर बकाया रकम की वसूली के लिए प्रशासन ने आरसी जारी की थी। इसके बावजूद रकम जमा नहीं की गई। राजस्व विभाग लगातार वसूली की कोशिश कर रहा था। भुगतान नहीं होने पर गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। डीएम मेधा रूपम के निर्देश पर दादरी एसडीएम की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने कहा कि बकाया रकम की वसूली के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

ओमान में नौकरी दिलाने के नाम पर प्रोफेसर से ठगी

नोएडा। ओमान की नामी यूनिवर्सिटी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक प्रोफेसर से 1.27 लाख रुपये ठग लिए गए। शैक्षिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन, आवेदन और रजिस्ट्रेशन के नाम पर अलग-अलग किस्तों में रकम वसूली गई। नौकरी न मिलने पर पीड़ित प्रो. नौशाद ने सेक्टर-39 थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर सोसाइटी निवासी प्रो. नौशाद ने पुलिस को शिकायत दी कि उन्हें ओमान की धोफर यूनिवर्सिटी में नौकरी दिलाने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके लिए उनके शैक्षिक प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के नाम पर रुपये मांगे गए।

नौकरी मिलने की उम्मीद में उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अलग-अलग तारीखों में रकम भेज दी। 11 फरवरी 2026 को 28 हजार 500 रुपये, 15 फरवरी को 30 हजार 160 रुपये, 31 हजार 110 रुपये और 26 फरवरी को 38 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। इस तरह चार लेनदेन में कुल एक लाख 27 हजार 770 रुपये भेजे गए। इसके अलावा आवेदन और रजिस्ट्रेशन के नाम पर दो हजार रुपये और 650 रुपये शुल्क भी मांगे जाने का जिक्र शिकायत में है। जब प्रोफेसर से और रकम मांगी गई, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। पुलिस जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जांच कर रही है।

पहले दिन सैकड़ों व्यावसायिक वाहनों को बॉर्डर से लौटाया

नोएडा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए रविवार से दिल्ली बॉर्डर पर सख्ती शुरू हो गई। नोएडा यातायात पुलिस ने बीएस-4 तक के सैकड़ों व्यावसायिक वाहनों को बॉर्डर पर रोककर वापस भेज दिया। चेकिंग कर ही दिल्ली पुलिस ने बीएस-4 तक की प्राइवेट गाड़ियों को भी प्रवेश करने से रोका। बॉर्डर पर सोमवार से और सख्ती होने की उम्मीद है। इससे आम वाहन चालकों की परेशानी बढ़ सकती है। दिल्ली में एक नवंबर से प्रदूषण फैलने के लिए जिम्मेदार माने जाने वाले वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने का निर्णय पहले ही ले लिया गया था। इसको देखते हुए नोएडा यातायात पुलिस ने भी सभी बॉर्डर पर चेकिंग के लिए टीमें लगा दी थीं। रविवार सुबह से ही चिल्ला, डीएनडी और कालिंदी कुंज बॉर्डर के अलावा परी चौक पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। टीएसआई के नेतृत्व में पुलिस टीमें जांच करती नजर आईं। इन बॉर्डर तक पहुंचे बीएस-4 वाले व्यावसायिक वाहनों को रोककर लौटाया गया। इनमें बसें, मालवाहक वाहन आदि थे। पुलिस की चेकिंग की वजह से सुबह 10-11 बजे तक लोगों को जाम में फंसना पड़ा। ऐसे वाहनों को पुलिस चेकिंग के बाद ही आगे जाने दे रही थी। चेकिंग की वजह से चिल्ला और कालिंदी कुंज बॉर्डर पर जाम की दिक्कत हुई।

पीईटी में 9,008 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

नोएडा। जिले में रविवार को 32 केंद्रों पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शांतिपूर्ण और नकलविहीन माहौल में संपन्न हुई। दोनों पालियों में कुल 28,848 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन 19,840 अभ्यर्थी ही शामिल हुए। वहीं, 9,008 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली में 14,424 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 9,892 उपस्थित रहे, जबकि 4,532 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 14,424 में से 9,948 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 4,476 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को संतुलित बताया। उनका कहना था कि पेपर का स्तर सामान्य रहा, लेकिन कुछ सवालों ने उलझाया। सामान्य अध्ययन खंड में तथ्यात्मक प्रश्न पूछे गए, जबकि करेंट अफेयर्स के सवालों ने अभ्यर्थियों को परेशान किया। गणित के प्रश्न हल करने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगा। कुछ अभ्यर्थियों के अनुसार पिछली परीक्षा की तुलना में इस बार प्रश्नपत्र थोड़ा सरल था। हालांकि, समय प्रबंधन के चलते सभी सवाल हल करना चुनौतीपूर्ण रहा।

परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। सुबह से ही केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की भीड़ रही। जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर ने बताया कि जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कहीं से भी नकल या अव्यवस्था की शिकायत नहीं मिली।

रोजगार मेले में युवाओं को मिलेगा नौकरी का मौका

नोएडा। बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सोमवार को दनकौर स्थित श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से आयोजित मेला सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर भर्ती करेंगी।

जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि मेले में मैन्युफैक्चरिंग, बीपीओ, केपीओ, बैंकिंग, फाइनेंस, फिनटेक, ई-कॉमर्स और डिजिटल क्षेत्र की कंपनियां शामिल होंगी। इनमें डिक्सन, डीएस फूड्स, आर्या फैशन और एडीजे इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रमुख हैं। मारुति कार के लिए भर्ती करने वाली कंपनी भी युवाओं को अवसर देगी। इसमें बीएससी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को पांच लाख रुपये से अधिक वार्षिक पैकेज पाने का मौका मिल सकता है।

उन्होंने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी इसमें हिस्सा ले सकते हैं। आवेदकों की आयु 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक युवाओं को रोजगार संगम पोर्टल पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद अभ्यर्थी शैक्षिक प्रमाणपत्रों और बायोडाटा के साथ कॉलेज पहुंचकर अपनी योग्यता के अनुसार कंपनियों में साक्षात्कार दे सकते हैं।

नोएडा में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह 2026 का राज्य स्तरीय आयोजन



नोएडा। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली के फार्मेसी संस्थानों के सहयोग से 1 नवंबर 2026 को एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह 2026 का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम 'स्वस्थ भारतः रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मुकाबला' विषय पर आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना, एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा में फार्मासिस्टों की भूमिका को सशक्त बनाना था।

इस कार्यक्रम में लगभग 1,500 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें फार्मेसी के विद्यार्थी, संकाय सदस्य, फार्मासिस्ट, स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञ, शोधकर्ता तथा औषधि उद्योग के प्रतिनिधि शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित एक जागरूकता रैली से हुई, जिसके पश्चात औपचारिक उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र में डॉ. मोंटुकुमार एम. पटेल, अध्यक्ष, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया; डॉ. अतुल के. नासा, विशिष्ट अतिथि एवं कार्यकारी परिषद सदस्य, PCI; प्रो. (डॉ.) विभु सहानी, संयोजक एवं केंद्रीय परिषद सदस्य, PCI; तथा श्री संदीप बडोला, सह-संयोजक एवं केंद्रीय परिषद सदस्य, PCI की उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) बलविंदर शुक्ला, कुलपति, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा स्वागत संबोधन दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. (डॉ.) बी. सी. दास, डीन, स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान संकाय, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा रोगाणुरोधी प्रतिरोध तथा इससे उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। इसके पश्चात स्वास्थ्य सेवा एवं औषधि क्षेत्र के विशेषज्ञों की सहभागिता से एक पैनल चर्चा आयोजित की गई।

विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए फार्मास्यूटिकल क्विज, वैज्ञानिक पोस्टर प्रस्तुतिकरण, रील निर्माण, साइ-टून्स, सूचना-पत्र निर्माण तथा नुक्कड़ नाटक जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

घायल बाइक सवार ने अस्पताल में तोड़ा दम

नोएडा। कोतवाली फेज-2 क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। बुलंदशहर के बराल गांव निवासी यासीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई चांद दिल्ली में रहकर नौकरी करता था। 16 अक्तूबर की रात करीब 9 बजे वह बाइक से दिल्ली से अपने घर जा रहा था।

सेक्टर-80 चौराहे के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में चांद गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे नजदीकी यथार्थ अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। यासीन का आरोप है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में हादसे की पूरी घटना कैद हुई है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डीडी आरडब्ल्यूए और एमएसएमई प्रतिनिधिमंडल ने नए डीसीपी से की मुलाकात, सुरक्षा व्यवस्था पर हुई चर्चा

नोएडा। डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन और एमएसएमई संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त डीसीपी नोएडा जोन-1 प्रीति यादव से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने डीसीपी को गुलदस्ता भेंट किया। उन्होंने नए पदभार के लिए प्रीति यादव को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

इस मुलाकात के दौरान इलाके की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उपायों पर गहराई से चर्चा की गई। बैठक में व्यापारियों, आम नागरिकों और महिलाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा प्राथमिकताओं को प्रमुखता से उठाया गया। बातचीत के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष जोर दिया।

डीसीपी ने दिया शांति और सुरक्षा का आश्वासनः प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनने के बाद डीसीपी प्रीति यादव ने उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सबसे पहली प्राथमिकता है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर अपराधमुक्त माहौल तैयार करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे ये प्रमुख लोगः प्रतिनिधिमंडल ने भी पुलिस प्रशासन को अपनी तरफ से हरसंभव सहयोग देने का पूरा आश्वासन दिया। इस बैठक में डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष एनपी सिंह और एमएसएमई के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा मौजूद रहे। उनके साथ शनि मंदिर के अध्यक्ष और वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान के संरक्षक मान सिंह चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, गौतम ऋषि, उपाध्यक्ष अनिल सिंह तथा सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए से एके सरीन सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

श्री श्याम दीवाने मित्र मंडल ने किया श्री श्याम जागरण का आयोजन, अशोक भाटी रहे मुख्य अतिथि



नोएडा। रायपुर स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के निकट बारात घर, सेक्टर-126, नोएडा में श्री श्याम दीवाने मित्र मंडल द्वारा श्री श्याम जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन, गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और श्री श्याम बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री श्याम दीवाने मित्र मंडल के आयोजकों होरीलाल यादव, गौरव यादव, गोपाल यादव एवं मोहन यादव ने मुख्य अतिथि अशोक भाटी का पुष्पमाला पहनाकर एवं शॉल और राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट कर भव्य स्वागत किया।

अशोक भाटी ने आयोजक मंडल द्वारा दिए गए सम्मान के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री श्याम बाबा की कृपा सभी परिवारों पर सदैव बनी रहे और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आए।

अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा, 'कलियुग के अवतार श्री श्याम बाबा के दर्शन मात्र से भक्तों को मन की शांति और नई ऊर्जा प्राप्त होती है। यह हम सभी का सौभाग्य है कि नोएडा क्षेत्र में श्री श्याम बाबा का भव्य जागरण आयोजित किया जा रहा है। मुझे पूर्ण आशा और विश्वास है कि बाबा के दरबार में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।'

जागरण में राजा भैया, कौशल राणा एवं सागर द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। वहीं, सुंदर, आकर्षक एवं मनमोहक धार्मिक झांकियों ने उपस्थित भक्तों का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भजनों के साथ श्री श्याम बाबा का गुणगान किया।

इस अवसर पर झलकेश बाबूजी, विपिन प्रधान, ताराचंद भाटी, चरण सिंह भाटी, कृष्ण भाटी, विजय यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीजापुर से दुर्ग जा रही यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त, महिलाओं और बच्चे समेत पांच घायल



बीजापुर, एजेंसी। बीजापुर से दुर्ग जा रही मनीष ट्रेवल्स की यात्री बस शनिवार रात नेलसनार थाना क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पाण्डेमुर्गा मोड़ के पास रात करीब 10 बजे हुए हादसे में बस सवार पांच यात्री घायल हो गए। इनमें तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेलसनार पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही भैरमगढ़ और नेलसनार से सुरक्षा बलों की टीमें मौके पर पहुंचीं। जवानों ने राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग करते हुए घायलों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। साथ ही मौके पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस मनीष ट्रेवल्स की थी, जिसका पंजीयन क्रमांक सीजी 07-9655 है। हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने घटना की पुष्टि की है।

नगरीय प्रशासन विभाग में 100 अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले, इनको सौंपी गई नई जिम्मेदारी



रायपुर, एजेंसी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने 100 अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। इनमें 53 मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) और 24 अभियंता शामिल हैं। इसके अलावा लेखापाल, स्वास्थ्य निरीक्षक, कैशियर सहित अन्य कर्मचारियों को भी नई पदस्थापना दी गई है। जारी आदेश के अनुसार, पांच लेखापाल, चार स्वास्थ्य निरीक्षक, चार भृत्य, तीन कैशियर और तीन सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों का तबादला किया गया है।

इनके अलावा एक-एक स्टेनोग्राफर, सहायक राजस्व निरीक्षक, कंप्यूटर ऑपरेटर और वाहन चालक को भी नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विभाग ने तीन मुख्य नगर पालिका अधिकारियों विकास पाटले, विष्णु प्रसाद यादव और जफर खान को निलंबन से बहाल भी किया है। बहाली के बाद विकास पाटले को दल्ली राजहरा नगर पालिका, विष्णु प्रसाद यादव को वाड्रफनगर नगर पंचायत और जफर खान को बिलाईगढ़ नगर पंचायत में सीएमओ के पद पर पदस्थ किया गया है। हालांकि, इनके विरुद्ध विभागीय जांच जारी रहेगी।

लखनऊ में जुआ खेलने निकले वृद्ध को उतारा मौत के घाट, तलाश में निकली पत्नी को मिला शव

माल, एजेंसी। गांव के बाहर लगने वाले जुए की फड़ के पास शनिवार रात वृद्ध का सिर और चेहरा ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। वृद्ध शाम को जुआ खेलने के लिए घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटे तो पत्नी बेटे के साथ तलाश करने निकली। जुए के फड़ के पास टार्च की रोशनी में पति का शव देखकर उनके होश उड़ गए। पत्नी ने गांव के दो लोगों और गोपरामऊ निवासी एक युवक पर हत्या का शक जताया है। बीघापुर गांव निवासी नन्हके उर्फ बलऊ शनिवार शाम करीब चार बजे गांव के बाहर लगने वाले जुए की फड़ पर गए थे। पति के रात सात बजे तक घर नहीं पहुंचने पर बेटे के साथ उनकी तलाश शुरू की। वह जुए की फड़ के आसपास तलाश करने पहुंचीं। रात करीब साढ़े सात बजे टार्च की रोशनी में पति जमीन पर लुढ़के दिखाई दिए।

दिल्ली में कभी सीएम की कुर्सी गई, कभी विधानसभा ही खत्म हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सुबह में एक अजीब-सा विरोधाभास दिखाई देता है। एक तरफ संसद भवन है, जहां देश के कानून बनते हैं। राष्ट्रपति भवन और केंद्रीय मंत्रालय हैं, तो दूसरी तरफ दिल्ली सचिवालय भी है, जहां शहर की चुनी हुई सरकार फैसले लेती है। इनके बीच उपराज्यपाल का कार्यालय भी है। यानी एक ही शहर में सत्ता के कई केंद्र हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री और विधानसभा होने के बावजूद दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है। पुलिस, जमीन और सार्वजनिक व्यवस्था जैसे अहम विषय आज भी केंद्र के अधीन हैं। आखिर देश की राजधानी में सत्ता का यह अनोखा बंटवारा क्यों है आखिर दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश क्यों बनाया गया 1956 में विधानसभा क्यों खत्म हुई और फिर चार दशक बाद लोकतंत्र की वापसी कैसे हुई आज, यानी 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के केंद्रशासित प्रदेश बनने के 70 साल पूरे हो गए। इस मौके पर जानिए राजधानी की सत्ता और सियासत के बदलते 70 साल की पूरी कहानी...

इंद्रप्रस्थ से नई दिल्ली तक: कैसे बदली पहचान: यूं तो दिल्ली का इतिहास महाभारत में वर्णित इंद्रप्रस्थ से जोड़ा जाता है। हालांकि, इसके ऐतिहासिक साक्ष्य और सटीक कालखंड को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। अलग-अलग दौर में इस क्षेत्र में अनेक नगर बसे, उजड़े और सत्ता के केंद्र बने। सल्तनत काल, मुगल शासन और शाहजहानाबाद ने दिल्ली की पहचान को नए रूप दिए, लेकिन आधुनिक दिल्ली की कहानी 1911 से एक नया मोड़ लेती है।

उस साल 12 दिसंबर को दिल्ली दरबार में ब्रिटेन के किंग जॉर्ज पंचम ने भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने का एलान किया। नई राजधानी के निर्माण के लिए रायसीना हिल और आसपास का इलाका चुना गया। एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर जैसे वास्तुकारों ने चौड़ी सड़कों, विशाल सरकारी इमारतों और व्यवस्थित शहरी ढांचे वाली नई



राजधानी की परिकल्पना को आकार दिया। 31 दिसंबर 1926 को नई राजधानी का नाम 'नई दिल्ली' रखने की आधिकारिक घोषणा हुई। इसके बाद 15 फरवरी 1931 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने नई राजधानी का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस तरह दिल्ली को आधुनिक राजधानी की पहचान तो मिल गई, लेकिन एक सवाल अब भी बाकी था- जब यह शहर पूरे देश की सत्ता का केंद्र है, तो इसके अपने प्रशासन की कमान किसके हाथ में होनी चाहिए; स्थानीय प्रतिनिधियों के या केंद्र सरकार के आजादी के बाद यही सवाल दिल्ली की राजनीतिक और संवैधानिक व्यवस्था की सबसे बड़ी बहस बन गया।

दिल्ली में कब बनी पहली निर्वाचित सरकार: 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ। इसके करीब ढाई साल बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। इसी के साथ दिल्ली को पार्ट-ष्ट राज्य का दर्जा मिला। इस व्यवस्था के तहत यहां विधानसभा और मुख्यमंत्री का प्रावधान किया गया। हालांकि, इसे पूर्ण राज्यों जैसी स्वायत्तता हासिल नहीं थी।

आजादी के बाद पहली बार 1952 में हुए चुनावों ने दिल्ली की राजनीति को नया अध्याय दिया। 7 मार्च 1952 को दिल्ली की पहली विधानसभा गठित हुई। इसमें कुल 48 सदस्य थे। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पसंदीदा नेताओं में शामिल चौधरी ब्रह्म प्रकाश दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने।

17 मार्च 1952 को पुराने सचिवालय के लॉन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। दिल्ली के तत्कालीन मुख्य आयुक्त शंकर प्रसाद ने ब्रह्म प्रकाश को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इस तरह आजादी के बाद पहली बार दिल्ली को अपनी निर्वाचित सरकार मिली, लेकिन यह व्यवस्था बहुत लंबे समय तक सुचारु रूप से नहीं चल सकी। मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश और मुख्य आयुक्त के बीच अधिकारों को लेकर मतभेद सामने आने लगे। मुख्यमंत्री के पास विधानसभा और मंत्रिपरिषद थी, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था में मुख्य आयुक्त की भी अहम भूमिका थी। अधिकारों की यह खींचतान धीरे-धीरे बढ़ती गई। आखिरकार 12 फरवरी 1955 को ब्रह्म प्रकाश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके बाद दरियागंज के विधायक गुरुमुख निहाल सिंह दिल्ली के दूसरे मुख्यमंत्री बने। बता दें कि उस समय दिल्ली में आज की तरह उपराज्यपाल का पद नहीं था। मुख्य आयुक्त केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर दिल्ली का प्रशासन संभालते थे।

1956 में दिल्ली विधानसभा क्यों खत्म की थी: मुख्यमंत्री और मुख्य आयुक्त के बीच बढ़ते मतभेदों ने केंद्र सरकार के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया था- क्या देश की राजधानी को भी दूसरे राज्यों की तरह चलाया जाना चाहिए या यहां केंद्र का नियंत्रण ज्यादा होना चाहिए इसी बीच देश में राज्यों के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही थी।

खेती की नई शुरुआत, बंजर जमीनों को हरा-भरा करने के लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की मदद ले रहे गोवा के किसान



पणजी, एजेंसी। गोवा के कृषि क्षेत्र में जल्द ही एक नया बदलाव देखने को मिल सकता है। किसान उत्पादक संस्था ने अपनी बंजर और खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए जर्मनी की आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती के तरीकों से प्रेरणा लेने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 1200 हेक्टेयर बंजर) जमीन पर खेती शुरू करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की तकनीकी मदद से आधुनिक मशीनों से खेती और एग्रो-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है।

चार दिन का खास ट्रेनिंग प्रोग्राम संपन्न: अधिकारियों के लिए जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा आयोजित चार दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जर्मनी में अपनाई जाने वाली आधुनिक कृषि पद्धतियों, मशीनीकरण, ऑर्गेनिक फार्मिंग और टिकाऊ खेती के बुनियादी ढांचे को अधिकारियों को समझाना था।

'ऑगमेंटेड एग्रीकल्चर इंटरनेशनल लिमिटेड' के डॉ. थॉमस वाइल्ड ने बताया कि इस पूरी चर्चा में मुख्य रूप से तीन बातों पर जोर दिया गया। गोवा की इन छूटी हुई और बंजर जमीनों को फिर से आबाद करना परंपरा और आधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन मेल साबित हो सकता है। इस योजना के तहत मसालों के बागानों और एग्रो-टूरिज्म को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है, जिससे खेती के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार और उद्यम को भी बढ़ावा मिलेगा।

पंचर की दुकान से लिए औजार, फिर एमबीए स्टूडेंट ने चुरा लिए थार गाड़ी के टायर

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में खड़ी गाड़ियों से स्टेपनी और रिम चुराने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय एक एमबीए छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोबन अली खान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 15 पहिए बरामद किए हैं, जिनमें से 12 पहिए अकेले महिंद्रा थार गाड़ियों के हैं। इसके अलावा दो फोर्ड एंडेवर और एक



फोर्ड इकोस्पोर्ट का पहिया भी जब्त किया गया है। इस मामले की जांच 20 अक्टूबर को रेतीबाउली स्थित गैलेक्सी एन्क्लेव अपार्टमेंट के बाहर खड़ी महिंद्रा थार से स्टेपनी चोरी होने की शिकायत के बाद शुरू हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में दिखा कि आरोपी अपने स्कूटर पर बैठकर मोबाइल चला रहा था।

मौका पाकर वह थार के पीछे बंधी स्टेपनी खोलने की कोशिश करता है, लेकिन किसी के आने पर वापस स्कूटर पर आ जाता है। कुछ देर तक गली पर नजर रखने के बाद, उसने कुछ ही सेकंडों में टायर खोला और स्कूटर पर रखकर फरार हो गया।

महिला का पीछा कर व्यक्ति ने कई बार चाकू से किया हमला

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में दिलदहलाने वाली घटना हुई। एक शख्स ने महिला का पीछा किया फिर उसके घर में घुसा कर कई बार चाकू से हमला किया। इस हमले के कुछ समय बाद महिला की मौत हो गई। 29 वर्षीय महिला की बेहरमी से हत्या के बाद गांव के लोगों में आक्रोश है। पीड़ित महिला पोलावरम मंडल के तंगेदिकोंडा गांव की रहने वाली थी। वो बेकरी में काम करती थी और जंगारेड्डीगुडेम में किराए के मकान में रहती थी। आरोपी ने घटना को शुक्रवार शाम को अंजाम दिया जब वो घर पर अकेली थी। आरोपी की पहचान रामकृष्ण के रूप में हुई है।

हमले के बाद आरोपी मौके से फरार: जंगारेड्डीगुडेम पुलिस इंस्पेक्टर एम. वी. सुभाष ने बताया कि हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी भी पीड़िता के गांव का ही रहने वाला है।

पुलिस उसे गिरफ्तार करने की कोशिश में छापेमारी कर रही है। घटना के बाद लोगों ने एंबुलेंस को खबर की।

इसके बाद महिला को पहले जंगारेड्डीगुडेम एरिया के अस्पताल ले जाया गया, और बाद में राजमहेंद्रवरम के एक निजी अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

मौत से पहले पीड़िता ने दर्ज कराया बयान: पीड़िता ने अपनी मौत से पहले पुलिस के पास दर्ज कराए गए बयान में बताया कि आरोपी शख्स अक्सर उसका पीछा किया करता था और उसी ने चाकू से वार किया। इस्पेक्टर सुभाष ने बताया कि इलाज के दौरान शनिवार को पीड़िता की मौत हो गई।

विधवा और तलाकशुदा बेटियों को सीजीएचएस कार्ड में जोड़ने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए एक बड़ा राहत भरा कदम उठाया है। अब माता-पिता के साथ रहने वाली विधवा और तलाकशुदा बेटियों को उनके परिवार के केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना कार्ड में जोड़ा जा सकेगा। यह सुविधा मूल सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु के बाद भी उपलब्ध रहेगी, जब कार्ड परिवार पेंशनभोगी जैसे कि जीवित जीवनसाथी के नाम पर हो।

पुराने नियमों में क्या था पेंच: पहले के नियमों के अनुसार, यदि मूल कार्डधारक कर्मचारी या पेंशनर का निधन



हो जाता था और पति या पत्नी को पारिवारिक पेंशन मिलने लगती थी, तो उस कार्ड में किसी नए आश्रित सदस्य को जोड़ने या दोबारा शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं था। इस वजह से कई जरूरतमंद बेटियों को योजना के तहत मुफ्त या रियायती इलाज का लाभ नहीं मिल पा रहा था। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह फैसला उन बुजुर्ग माता-पिता के लिए बड़ी मदद साबित होगा, जो अपनी उन बेटियों की देखभाल कर रहे हैं जिनकी कोई स्वतंत्र आय नहीं है और जिन्हें नियमित इलाज की आवश्यकता है। मंत्रालय को कई ऐसे पेंशनभोगियों से आवेदन मिले थे, जिन्हें गंभीर बीमारियों से जूझ रही अपनी आश्रित बेटियों के इलाज का खर्च उठाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

क्या है पात्रता और सत्यापन की प्रक्रिया: मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह लाभ अपने-आप यानी ऑटोमैटिक लागू नहीं होगा। कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए अधिकारियों द्वारा कुछ जरूरी जांच की जाएगी। बेटी की वैवाहिक स्थिति (विधवा या कानूनी रूप से तलाकशुदा होना)।

सीएम रेखा गुप्ता ने की सहयोग की अपील

दिल्ली में प्रदूषण पर एआई और एएनपीआर कैमरों का पहरा



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते शीतकालीन वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए रविवार से विशेष प्रतिबंध लागू होने जा रहे हैं। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने इन प्रतिबंधों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की हैं।

परिवहन विभाग, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), नगर निगम तथा अन्य संबंधित एजेंसियों को सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यावरण विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य प्रदूषण को उसके स्रोत पर ही रोकना है। इसके लिए विशेष प्रवर्तन टीमें तैनात की जाएंगी तथा एएनपीआर कैमरों और एआइ-सक्षम इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी नागरिकों, वाहन मालिकों, निर्माण एजेंसियों, संस्थानों, आरडब्ल्यूए तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे एक नवंबर से लागू होने वाले प्रतिबंधों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करें। दिल्ली के बाहर पंजीकृत प्रतिबंधित वाहनों को दिल्ली में न लाएं।

प्रतिबंधित बाहरी निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियां तत्काल बंद करें और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण मानकों का पालन करें। निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करें, सार्वजनिक परिवहन और कार-पूलिंग को प्राथमिकता दें। खुले में कचरा, पत्तियां या अन्य सामग्री न जलाएं। प्रदूषण संबंधी उल्लंघनों की सूचना संबंधित एजेंसियों को दें और प्रवर्तन टीमों का सहयोग करें।

सरदार पटेल की जयंती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का तीखा हमला

रिजीम चेंज की बात करना राष्ट्रविरोधी कृत्य

नईदिल्ली, एजेंसी। रिजीम चेंज की बात करना लोकतंत्र को सीधी चुनौती देने जैसा और राष्ट्रविरोधी कृत्य है। भारत में सरकारें चुनाव और जनमत से बनती हैं, न कि सड़कों पर हिंसा और अराजकता फैलाकर।

यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पंजाबी बाग स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर भारत भारती संस्था की ओर से आयोजित राष्ट्रीय समारोह में कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसे में सरकार बदलने के लिए हिंसा और अराजकता का रास्ता अपनाने की बात करना लोकतंत्र को चुनौती देने जैसा है।

भारत को तोड़ने की सोच रखने वालों को चेतावनी देते हुए उन्होंने हैदराबाद के निजाम का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि उसके प्रमुख ने डेढ़ करोड़ हिंदुओं का विनाश करने की धमकी दी थी, लेकिन लौह पुरुष सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प के आगे उन्हें घुटने टेकने पड़े।

राष्ट्रीय एकता के संकल्प को आगे बढ़ाया: प्रधानमंत्री



नरेन्द्र मोदी उसी धरती पर जन्मे हैं, जहां सरदार पटेल का जन्म हुआ था। उन्होंने लौह पुरुष की विशाल प्रतिमा स्थापित करने के साथ उनके राष्ट्रीय एकता के संकल्प को भी आगे बढ़ाया है। देश की अखंडता के लिए जो भी कुर्बानी देनी पड़े, भाजपा की सरकार पीछे नहीं हटेगी। संत तुकाराम महाराज के दृष्टांत का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि असली हीरा हथौड़े की चोट सहकर भी अपनी चमक बरकरार रखता है, जबकि नकली बिखर जाता है। इसी तरह चुनौतियों के सामने अडिग रहना ही असली वीरता है और सरदार पटेल इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

पटेल और मुखर्जी ने रखा राष्ट्रहित सर्वोपरि

राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दोनों ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। डॉ. मुखर्जी ने भी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का दायित्व निभाया। उन्होंने 1928 के बारदोली सत्याग्रह का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। पटेल किसी समुदाय के विरोधी नहीं थे। वे स्वयं को नेता नहीं, देश का अनुशासित सैनिक मानते थे। उनका जीवन मंत्र था-राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम।

भारत बनाम न्यूजीलैंड

कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी



हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं। रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।' उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल...

बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था। हार्दिक ने अपने शानदार प्रदर्शन से मिस्टर बीस्ट को पीछे छोड़ दिया। और मुकाबला जीतकर करीब 94.9 लाख रुपये की प्राइज मनी हासिल की। जरूरतमंदों की मदद के लिए दान की रकमहार्दिक पांड्या ने इस जीत को सिर्फ अपनी उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने पूरी इनामी राशि गरीब बच्चों के कल्याण और जरूरतमंद कुत्तों की देखभाल के लिए काम करने वाली कई संस्थाओं को दान करने का फैसला किया।



न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर अंतिम टी-20 किया अपने नाम

श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती



हैमिल्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला गया, जिसको मेजबान न्यूजीलैंड की टीम 7 विकेट के अंतर से अपने नाम करने में कामयाब रही। न्यूजीलैंड की टीम को मुकाबले में 192 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा उन्होंने 18 ओवर्स में ही कर लिया जिसमें उनकी तरफ से टिम सीफर्ट ने 93 रनों की तो वहीं ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रनों की अहम पारी खेली। गेंदबाजी में भारतीय टीम की तरफ से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश कुमार रेड्डी ने 1-1 विकेट हासिल किया। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रनों का स्कोर बनाया था। टीम इंडिया की तरफ से बल्लेबाजी में ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर का कमाल देखने को मिला, जिसमें ईशान ने 61 रनों की पारी खेली तो वहीं अय्यर के बल्ले से 50 रन देखने को मिले। न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में एडम मिल्ने ने सबसे ज्यादा 4 विकेट जबकि नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने 2-2 विकेट हासिल किए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत - संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड - टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, जैकब डफी, ब्लेयर टिकनर।

अभिषेक-सैमसन ने किया फिर निराश, ईशान ने कप्तान अय्यर के साथ संभाली पारी

हैमिल्टन के सेडन पार्क में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही जिसमें अभिषेक शर्मा एक और संजू सैमसन सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मिलकर ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी करने के साथ बड़े स्कोर की नींव भी रख दी। ईशान किशन इस मैच में 32 गेंदों में 61 रनों की पारी खेलने में कामयाब रहे तो वहीं कप्तान अय्यर के बल्ले से 23 गेंदों में 50 रनों की पारी देखने को मिली।

नमन और नीतीश ने भी खेली अहम पारियां

ईशान किशन और कप्तान अय्यर के पवेलियन लौटने के साथ टीम इंडिया की पारी एकबार फिर से लड़खड़ाती हुई दिखाई दी, जिसके बाद नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि छठे विकेट के लिए 46 रनों की अहम साझेदारी करने के साथ स्कोर को 190 रनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। नमन धीर के बल्ले से 33 रन देखने को मिले तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने 22 रनों की पारी खेली।

टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स की पारी ने मुकाबला किया एकतरफा

192 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें उनको पहला झटका 9 के स्कोर पर फिन एलन के रूप में लगा, इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे डेरिल मिचेल ने टिम सीफर्ट का बखूबी साथ दिया जिसमें दोनों के बीच में दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी देखने को मिली। मिचेल 29 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करने मैदान पर आए शानदार फॉर्म में चल रहे ग्लेन फिलिप्स इस मुकाबले में भी अपने बल्ले से कमाल दिखाने में कामयाब रहे।

टीम इंडिया ने रचा इतिहास

साइफर्ट ने 93 रन बनाए

एक कैलेंडर ईयर में ठोक दिए 400 टी-20 सिक्स, दुनिया की पहली टीम बनी



हैमिल्टन। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारतीय बल्लेबाजों का बल्ला किस कदर आग उगल रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टीम इंडिया ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में आज तक कोई दूसरी टीम नहीं कर सकी। टीम इंडिया अब एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने कुल 11 छक्के लगाए। इसी के साथ भारतीय टीम के इस साल टी-20 इंटरनेशनल में छक्कों की संख्या 400 तक पहुंच गई। भारत ने यह उपलब्धि महज 40 मुकाबलों में हासिल की है।

भारतीय बल्लेबाजों ने किया कमाल

भारतीय टीम के इस रिकॉर्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी बेहद खास रहा है। इस साल भारत ने कीवी टीम के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक कैलेंडर ईयर में एक टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा इस मामले में सबसे आगे हैं। उन्होंने इस साल 86 छक्के लगाए हैं। वहीं ईशान किशन 60 छक्कों के साथ दूसरे और संजू सैमसन 50 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय भारत ने महज 19 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला।

ग्लेन फिलिप्स ने मचाया तहलका, टीम इंडिया के खिलाफ रनों का अंबार लगाकर तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैमिल्टन। टीम इंडिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की जीत में ग्लेन फिलिप्स ने ऐसा बल्ला चलाया कि उनके नाम एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारतीय गेंदबाजों के सामने फिलिप्स ने रनों की ऐसी बारिश की कि पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट जैसे धुरंधर भी पीछे छूट गए। फिलिप्स अब द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के बल्लेबाज बन गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टी-20 सीरीज में फिलिप्स का बल्ला जमकर बोला। उन्होंने पूरी सीरीज में 341 रन बनाए। इस तरह उन्होंने द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह उपलब्धि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के नाम थी, जिन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में 331 रन बनाए थे। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 316 रन बनाए थे।



द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन

341* - ग्लेन फिलिप्स बनाम भारत (2026)
331 - फिलिप सॉल्ट बनाम वेस्टइंडीज (2023)
316 - मोहम्मद रिजवान बनाम इंग्लैंड (2022)

ऋषभ पंत न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर

- ट्रेनिंग शुरू की, लेकिन मैच नहीं खेलेंगे; 19 नवंबर से वेलिंगटन टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड- ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है, लेकिन 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में होने वाले मुकाबले से बाहर रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ईरानी कप फाइनल के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से खेलते समय उनकी बाईं तरफ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वे न्यूजीलैंड्ड के खिलाफ शुरुआती दो अनऑफिशियल टेस्ट भी नहीं खेल सके। माना जा रहा था कि पंत तीसरे मैच में उतरकर सीनियर टीम की टेस्ट सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस हासिल कर सकते हैं। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि वे इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे।

लिंकन में 7 से 10 नवंबर तक खेला जाएगा तीसरा टेस्ट - भारत-ए और न्यूजीलैंड- ए के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में खेला जाएगा। पंत की गैरमौजूदगी में भारत- ए की टीम अपने मौजूदा खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरेगी।



साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं पंत

पंत अक्टूबर के पहले सप्ताह में ईरानी कप के दौरान चोटिल हुए थे। उस मैच में वह रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे थे और उनकी टीम ने जम्मू-कश्मीर को हराकर खिताब जीता था। साइड स्ट्रेन यानी शरीर के किनारे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पंत दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी का शुरुआती मैच और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो अनौपचारिक टेस्ट नहीं खेल पाए। पंत ने अब हल्की ट्रेनिंग और बल्लेबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन विकेटकीपिंग का अभ्यास अभी शुरू नहीं किया है। यही कारण है कि उनकी उपलब्धता पर मेडिकल टीम की मंजूरी जरूरी है। बल्लेबाजी के लिए तैयार होना और विकेटकीपिंग के दौरान लगातार झुकना, उठना तथा तेजी से मूव करना दो अलग तरह की शारीरिक चुनौतियां हैं।

19 नवंबर से वेलिंगटन टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस - भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। पंत के तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर रहने के बाद अब उनके सीधे पहले टेस्ट में खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। टीम मैनेजमेंट के सामने पंत को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल करने या ध्रुव जुरेल को विशेषज्ञ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में मौका देने का विकल्प होगा।

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

- फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, पहली बार जीता हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब

हांगकांग सुपर सिक्सेस 2026 टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मिशन रोड ग्राउंड, मोंग कोक में एक नवंबर को अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया की टीम के बीच में खेला गया। गुलबदीन नईब की कप्तानी में खेलने पहुंची अफगानिस्तान की टीम खिताबी मैच में इतिहास रचने में कामयाब रही जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से मात देने के साथ पहली बार इस खिताब को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। इस फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर 115 रनों का स्कोर बनाया था। वहीं अफगानिस्तान की टीम ने 5.1 ओवर्स में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर टारगेट को हासिल करने के साथ फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को धूल चटा दी।



ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका को भी अफगानिस्तान ने दी थी मात

अफगान टीम का हांगकांग सुपर सिक्सेस में ग्रुप स्टेज से लेकर फाइनल तक अजेय अभियान जारी देखने को मिला, जिसमें उन्होंने ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका को मात देने में कामयाबी हासिल की थी और उस मुकाबले को अफगानिस्तान ने 3 विकेट से जीता था। इसके बाद ओमान की टीम को 4 विकेट से मात देने के साथ सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का किया था। अफगानिस्तान की टीम का सेमीफाइनल में सामना स्कॉटलैंड से हुआ था और उन्होंने उस मुकाबले को 21 रनों के अंतर से जीता था।

इमरान नजीर की 14 गेंदों में 53 रनों की पारी ने निभाई अहम भूमिका

अफगानिस्तान को हांगकांग सुपर सिक्सेस के फाइनल मुकाबले में इमरान नजीर की पारी ने अहम भूमिका अदा की। 115 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, जिसमें उन्होंने अपना पहला विकेट 15 के स्कोर पर करीम जनत के रूप में गंवा दिया तो वहीं 32 के स्कोर पर कप्तान गुलबदीन नईब भी 17 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौट गए। यहां से बल्लेबाजी करने उतरे इमरान नजीर ने न सिर्फ पारी को संभाला बल्कि एक छोर से तेजी के साथ रन बनाने का सिलसिला शुरू किया। इमरान नजीर की ताबड़तोड़ पारी के दम पर अफगानिस्तान ने सिर्फ 5.1 ओवर्स में ही मुकाबले को अपने नाम कर लिया तो वहीं नजीर के बल्ले से 14 गेंदों में 7 छक्के और 2 चौके सहित कुल 53 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली। वहीं फरमाउल्लाह सैफी ने भी 26 रनों की अहम पारी खेली जिसमें उनके और इमरान नजीर के बीच में तीसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी देखने को मिली।